Title Code :- RAJHIN27855

दैनिक
द डेस्प्रिंग

TDN THE DAYSPRING NEWS

@tdnnewsindia
@tdn_thedayspringnews
@the Dayspring news
@thedayspring
@tdnnewsindia

वर्ष: 4 | अंक:268 | मूल्य: 3 रू | पेज: 8 | शनिवार,25 अक्टूबर 2025 | जयपुर से प्रकाशित (सीकर, जोधपुर, कोटा, भरतपुर, सिरोही से प्रसारित)

उत्तर प्रदेश में हलाल सर्टिफिकेट पर रोक

योगी सरकार ने कहा- सर्टिफिकेट के नाम पर जुटाई जा रही थी धनराशि, इस्तेमाल हो रहा था आतंकवाद और धर्मांतरण में

अतुल दुबे

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य में हलाल सर्टिफिकेट वाले उत्पादों पर बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने ऐसे सभी उत्पादों के निर्माण, भंडारण, बिक्री और वितरण पर रोक लगा दी है। आदेश के अनुसार, हलाल सर्टिफिकेट अब राज्य में मान्य नहीं होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हलाल सर्टिफिकेशन प्रणाली किसी भी सरकारी एजेंसी से मान्यता प्राप्त नहीं है। उनके अनुसार, इस व्यवस्था के जरिए हजारों करोड़ रुपये की रकम जुटाई जा रही थी, जिसका इस्तेमाल आतंकवाद, धर्मांतरण और लव जिहाद जैसी गतिविधियों में किया जा रहा था।

निर्यात उत्पादों को छूट, घरेलू बाजार में सख्ती

सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह प्रतिबंध केवल राज्य के भीतर उपभोग होने वाले उत्पादों पर लागू होगा। निर्यात के लिए बनाए जाने वाले उत्पादों को इससे छूट दी गई है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलाल सर्टिफिकेट की मांग बनी हुई है। प्रशासन ने खाद्य एवं औषधि विभाग को निर्देश दिया है कि बाजार में बिक रहे सभी हलाल सर्टिफिकेट वाले उत्पादों की जांच की जाए और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई की जाए।

विपक्ष ने लगाया धार्मिक भेदभाव का आरोप

सरकार के इस फैसले पर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस नेताओं ने इसे ÷धार्मिक भेदभाव÷ बताया और कहा कि भाजपा सरकार जनता का ध्यान महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों से भटकाने की कोशिश कर रही है। वहीं, कुछ मुस्लिम संगठनों ने इसे धार्मिक अधिकारों पर हमला करार दिया है। उनका कहना है कि हलाल सर्टिफिकेट किसी धर्म के प्रचार के लिए नहीं, बल्कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए होता है।

कानूनी कार्रवाई की तैयारी

सूत्रों के अनुसार, शासन ने उन संस्थाओं पर एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है जो बिना सरकारी अनुमति के हलाल प्रमाणपत्र जारी कर रही थीं। सरकार का कहना है कि यह कार्रवाई आर्थिक पारदर्शिता और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से की जा रही है।

आगे का रास्ता

राज्य सरकार के इस फैसले से हलाल सर्टिफिकेशन प्रणाली पर बड़ा असर पड़ सकता है। जहां समर्थक इसे ÷राष्ट्रहित में कदम÷ बता रहे हैं, वहीं विरोधी इसे ÷धार्मिक स्वतंत्रता पर अंकुश÷ कह रहे हैं। अब देखना यह होगा कि आने वाले दिनों में यह निर्णय कानूनी रूप से कितना टिक पाता है और उद्योग जगत इस बदलाव पर कैसी प्रतिक्रिया देता है।

17वें पीएम रोजगार मेले में बोले प्रधानमंत्री मोदी, समझाया नौकरी का महत्व

51 हजार युवाओं को बांटे गए नियुक्ति पत्र

कहा- यह केवल सरकारी नौकरी नहीं, आपको राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का मौका मिला है

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे। उन्होंने कहा कि युवाओं का सशक्तिकरण सरकार की प्राथमिकता है। रोजगार मेलों के जरिए 11 लाख से ज्यादा युवाओं को नौकरी मिली है। पीएम मोदी ने जीएसटी सुधारों को भी रोजगार के अवसरों के विस्तार से जोड़ा और युवाओं को देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। बिहार की चुनावी रैली में जाने से ऐन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर के 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र का वर्चुअल माध्यम से वितरण करते हुए कहा कि युवाओं का सशक्तीकरण भाजपा-एनडीए सरकार की प्राथमिकता है। अब तक रोजगार मेलों के माध्यम से 11 लाख से अधिक युवाओं को नियुक्ति का दावा करते हुए पीएम ने युवाओं को अपने अंदाज में प्रोत्साहित किया। उन्होंने दावा किया कि अकेले इन रोजगार मेलों के जरिए बीते कुछ समय में ही 11 लाख से ज्यादा नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं। साथ ही जोड़ा कि ये प्रयास केवल सरकारी नौकरियों तक ही सीमित नहीं हैं। हमने देश में पीएम विकसित भारत रोजगार योजना भी शुरू की है। इसके तहत साढ़े तीन करोड़ युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य रखा गया है।

आज भारत दुनिया का सबसे युवा देश

उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। हम भारत के युवा सामर्थ्य को भारत की बड़ी ताकत मानते हैं। देश के विभिन्न राज्यों में शुक्रवार को आयोजित 17वें पीएम रोजगार मेले का वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार रोशनी का त्योहार दीवाली आप सबके जीवन में नई रोशनी लेकर आया है। उत्सवों के बीच पक्की नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र मिलना यानी उत्सवों का उल्लास और सफलता की डबल खुशी। ये खुशी आज देश के 51 हजार से अधिक युवाओं को मिली है।

पीएम मोदी ने समझाया जीएसटी रिफॉर्म का महत्व

युवाओं के रोजगार-स्वरोजगार के लिए सरकार द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों व योजनाओं का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने हाल ही में किए गए जीएसटी रिफॉर्म को भी इन प्रयासों के साथ जोड़ा। कहा कि इस बार त्योहारों के इस मौसम में जीएसटी बचत उत्सव ने भी नए रंग भर दिए हैं। आप सब जानते हैं कि जीएसटी दरों में कटौती का कितना बड़ा रिफॉर्म हुआ है। इसका असर केवल लोगों की बचत तक ही सीमित नहीं है, नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी रिफार्म से रोजगार के अवसरों को भी विस्तार मिल रहा है। समझाया कि जब हर रोज इस्तेमाल होने वाले सामान सस्ते होते हैं तो मांग भी बढ़ती है। जब मांग बढ़ती है तो उत्पादन और सप्लाई चेन को भी गति मिलती है।

युवाओं को लिए एक नया प्लेटफॉर्म प्रतिभा सेतु पोर्टल

पीएम पीएम ने जॉब के लिए एक और प्लेटफॉर्म का जिक्र करते हुए कहा- युवाओं के लिए एक और बड़ा कदम है प्रतिभा सेतु पोर्टल। जो उम्मीदवार यूपीएससी की अंतिम सूची तक पहुंचे, लेकिन सिलेक्ट नहीं हुए। उनकी मेहनत भी अब व्यर्थ नहीं जाएगी। इसीलिए निजी और सार्वजनिक संस्था इस पोर्टल से उन युवाओं को निमंत्रित कर सकती है। इंटरव्यू कर सकती हैं। और अवसर भी दे सकते हैं। युवाओं की प्रतिभा का यह सदुपयोग ही भारत के युवा सामर्थ्य को दुनिया के सामने लेकर आएगा।

देश भर में 40 स्थानों पर किया गया आयोजन

रोजगार मेले का आयोजन देश भर में 40 स्थानों पर किया गया। पिछला रोजगार मेला 12 जुलाई को हुआ था। प्रधानमंत्री ने 22 अक्टूबर 2022 को रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। अब तक 9.73 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल चुका है।

पीएम मोदी ने समझाया नौकरी का महत्व

इस नौकरी का महत्व निवनियुक्तों को समझाते हुए कहा कि आपका ये उत्साह, परिश्रम करने की आपकी क्षमता, सपने साकार होने से पैदा हुआ आत्मविश्वास, इसके साथ जब देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा जुड़ेगा तो आपकी ये सफलता केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं रहेगी, बल्कि देश की सफलता बन जाएगी। आज आपको केवल सरकारी नियुक्ति नहीं मिली है, आपको राष्ट्रसेवा में सक्रिय योगदान देने का अवसर मिला है।

पीएम मोदी ने स्पष्ट किया सरकार का एजेंडा

अपनी सरकार के एजेंडे को स्पष्ट करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों से देश विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। इसमें सबसे बड़ी भूमिका हमारे युवाओं की है, इसलिए युवाओं का सशक्तीकरण भाजपा-एनडीए सरकार की प्राथमिकता है। आज रोजगार मेले युवाओं के सपनों को पूरा करने का माध्यम बन गए हैं। उन्होंने दावा किया कि अकेले इन रोजगार मेलों के जरिए बीते कुछ समय में ही 11 लाख से ज्यादा नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं। साथ ही जोड़ा कि ये प्रयास केवल सरकारी नौकरियों तक ही सीमित नहीं हैं। हमने देश में पीएम विकसित भारत रोजगार योजना भी शुरू की है। इसके तहत साढ़े तीन करोड़ युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य रखा गया है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के तीन उम्मीदवार जीते

एक सीट पर भाजपा का कब्जा

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस, पीडीपी, सीपीआइ (एम), एआईपी और छह निर्दलीय उम्मीदवारों के समर्थन से सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) गठबंधन ने निर्णायक बहुमत हासिल किया, जिससे चार में से तीन सीटों पर आसान जीत सुनिश्चित हुई। एनसी के उम्मीदवार, चौधरी मोहम्मद रमजान, सज्जाद किचलू और शम्मी ओबेरॉय, राज्यसभा में प्रवेश कर गए, जिससे 88 सदस्यीय विधानसभा में पार्टी की प्रमुख स्थिति की पुष्टि हुई। अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से जम्मू-कश्मीर में 24 अक्टूबर को हुए राज्यसभा चुनाव श्रीनगर विधानसभा परिसर में शांतिपूर्वक संपन्न हुए। राज्यसभा चुनाव के लिए 88 में से 86 विधायकों ने अपने वोट डाले और हिरासत में लिए गए विधायक मेहराज मलिक ने डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान किया। कांग्रेस, पीडीपी, सीपीआइ (एम), एआईपी और छह निर्दलीय उम्मीदवारों के समर्थन से सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) गठबंधन ने निर्णायक बहुमत हासिल किया, जिससे चार में से तीन सीटों पर आसान जीत सुनिश्चित हुई। एनसी के उम्मीदवार, चौधरी मोहम्मद रमजान, सज्जाद किचलू और शम्मी ओबेरॉय, राज्यसभा में प्रवेश कर गए, जिससे 88 सदस्यीय विधानसभा में पार्टी की प्रमुख स्थिति की पुष्टि हुई। चौथी सीट के लिए मुकाबला एनसी के इमरान नबी डार और भाजपा के सत शर्मा के बीच था, जहां शर्मा ने बहुमत के 32 वोटों से जीत हासिल की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के मतदान में भाग न लेने के बावजूद, एनसी ने पहले सभी चार सीटों पर जीत हासिल करने का विश्वास व्यक्त किया था।

योगी सरकार ने जारी किया आदेश

यूपी में पांचवें और छठवें वेतनमान वाले कार्मिकों का भी बढ़ा महंगाई भत्ता

एजेंसी लखनऊ

सातवें वेतनमान वाले राज्यकर्मियों को बढ़ी दर से महंगाई भत्ता देने के बाद राज्य सरकार ने पांचवें और छठवें वेतनमान में काम कर रहे राज्यकर्मियों को भी बढ़ी दर से महंगाई भत्ता (डीए) दिए जाने का आदेश जारी कर दिया है।अक्टूबर माह के वेतन के साथ बढ़ी दर से महंगाई भत्ते का भुगतान नकद किया जाएगा। पांचवें वेतनमान वाले कार्मिकों का डीए आठ प्रतिशत और छठवें वेतनमान वाले कार्मिकों का डीए पांच प्रतिशत बढ़ा है। पांचवें वेतनमान में कार्यरत राज्यकर्मियों का डीए जो अब तक 466 प्रतिशत था वह आठ प्रतिशत वृद्धि के साथ 474 प्रतिशत किया गया है। इसी प्रकार छठवें वेतनमान वाले कार्मियों का डीए जो 252 प्रतिशत था वह पांच प्रतिशत वृद्धि के साथ 257 प्रतिशत हो गया है। पांचवें व छठवें वेतनमान में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों की कुल संख्या 25 से 30 हजार के बीच बताई जा रही है। डीए में हुई वृद्धि का लाभ पांचवें व छठवें वेतनमान में कार्यरत राज्य कर्मचारियों, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं के कार्मिकों, शहरी स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्य प्रभारित कर्मचारियों तथा यूजीसी वेतनमान में कार्यरत पदधारकों को मिलेगा।

'टैक्सपेयर्स के साथ इज्जत से पेश आएं', निर्मला सीतारमण ने जीएसटी विभाग को दिया निर्देश

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर व सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) को टैक्सपेयर्स के साथ आदर के साथ पेश आना चाहिए। टैक्सपेयर्स राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान देते हैं। अगर टैक्सपेयर्स के बीच कोई गलत है तो उसे पकड़ने के लिए कानूनी प्रक्रिया के तहत काम करना चाहिए, लेकिन जीएसटी अधिकारियों व कर्मचारियों को सभी टैक्सपेयर्स को संदेह की दृष्टि से नहीं देखना चाहिए। शुक्रवार को गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन अवसर पर सीतारमण ने कहा कि सीबीआईसी को इस सोच के साथ काम करना चाहिए कि गलत किया तो खैर नहीं, सही किया तो कोई बैर नहीं। उन्होंने कहा कि टैक्सपेयर्स की आसानी के लिए जीएसटी विभाग को अधिकाधिक टेक्नोलॉजी की मदद से प्रक्रिया को सरल बनाने के साथ पारदर्शिता को बढ़ाना चाहिए। विभाग की तरफ से गलत करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ समय पर की गई कार्रवाई यह दर्शाता है कि टैक्सपेयर्स के प्रति किसी के भी अनुचित व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अखिलेश-डिंपल समेत कई नाम भी करेगा महागठबंधन का प्रचार

बिहार चुनाव के लिए सपा ने जारी की 20 स्टार प्रचारकों की लिस्ट

एजेंसी | लखनऊ

बिहार चुनाव में सीधे लड़ने के बजाय इंडी गठबंधन को समर्थन दे रही सपा अब प्रचार युद्ध में भागीदारी को भी तैयार है। पार्टी गठबंधन के प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार के लिए 20 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। सूची में पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, उनकी पत्नी मैनपुरी सांसद डिंपल यादव के साथ हाल ही जेल से रिहा हुए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां का नाम भी शामिल है। नवंबर की शुरुआत में सपा प्रमुख की जनसभा का कार्यक्रम भी तय किया जा रहा है। सपा की ओर से जारी स्टार प्रचारकों की सूची में प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव और राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव का नाम शामिल रही है। परिवार के सदस्यों के मामले में अखिलेश व डिंपल के साथ केवल पूर्व सांसद एवं विधायक तेज प्रताप सिंह यादव को ही जगह दी गई है।

शोध में खुलासा: विकास की दौड़ में प्रदेश के बाकी हिस्सों से अब भी पीछे है पूर्वी यूपी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को यदि एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है, तो पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों के बीच विकास का संतुलन बनाना होगा। लेकिन, धरातल पर सच्चाई कुछ और है। उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्से की अर्थव्यवस्था पर आई एक रिपोर्ट कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य और प्रो. रोली मिश्रा की ओर से किए गए शोध में सामने आया है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिले आज भी विकास के निचले पायदान पर अटके हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, श्रावस्ती, बलरामपुर और बहराइच, राज्य के सबसे पिछड़े जिलों में शामिल हैं। शोध और इस विस्तृत अध्ययन को प्रतिष्ठित- इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट में प्रकाशित किया गया है।

फिर बढ़ेगी बादलों की सक्रियता... गिरेगा पारा, पूर्वी यूपी में बारिश के आसार

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अगले दो तीन दिनों में बादलों की सक्रियता बढ़ने के संकेत हैं। शुक्रवार को बंगाल की खाड़ी के पूर्वी हिस्से में कम दबाव का क्षेत्र बना है। इसके असर से अब प्रदेश में दिन के चढ़ते पारे पर लगाम लगेगी और मौसम में फिलहाल स्थिरता आएगी। वहीं पूर्वा हवाओं के मद्धिम पड़ते ही रात के पारे में क्रमशः गिरावट की शुरुआत हो चुकी है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले तीन-चार दिनों में प्रदेश भर में रात के तापमान में लगभग 2 से 3 डिग्री की गिरावट देखने को मिलेगी। दिन व रात दोनों का तापमान सामान्य तक पहुंचेगा।

छठ पूजा पर भीड़ से निपटने के लिए रेलवे ने बनाया मॉनिटरिंग प्लान

एजेंसी | लखनऊ/वाराणसी

छठ पूजा पर रेलवे स्टेशन पर उमड़ने वाली भीड़ को कंट्रोल करने और यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए रेलवे ने पूरी व्यवस्था की है। चारबाग और वाराणसी रेलवे स्टेशन पर कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां से यात्रियों पर निगरानी की जा रही है। चारबाग रेलवे स्टेशन पर 66 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जबकि वाराणसी रेलवे स्टेशन पर 200 कैमरे लगाए गए हैं। कंट्रोल रूम में लगी बड़ी स्क्रीनों पर हर यात्री पर आरपीएफ जवान नजर रख रहे हैं। इसके अलावा स्टेशन पर भीड़ न उमड़ने पाए इसके लिए रेलवे स्टेशन के बाहर 5000 स्क्वायर फीट सर्कुलेटिंग एरिया में अस्थाई होल्डिंग एरिया डेवलप किया गया है। यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था और उनके ट्रेन पकड़ने के लिए स्टेशन पर आने से पहले होल्डिंग एरिया में रुकने की व्यवस्था चारबाग रेलवे स्टेशन के स्टेशन डायरेक्टर प्रशांत कुमार और आरपीएफ इंस्पेक्टर भूपेंद्र कुमार ने कमान संभाल रखी है।

66 कैमरे और 10 एलईडी से हो रही निगरानी

छठ पूजा को लेकर बिहार और पूर्वांचल की तरफ जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ चारबाग रेलवे स्टेशन पहुंच रही है। इसे लेकर रेलवे प्रशासन भी एक्टिव हो गया है। किसी तरह की अनहोनी न होने पाए इसके लिए स्टेशन पर ही कंट्रोल रूम बनाया गया है, जो 24 घंटे काम करता है। स्टेशन के 66 कैमरे हर पॉइंट्स पर निगरानी के लिए लगाए गए हैं। इन्हीं कैमरों से कंट्रोल रूम में लगी 10 एलईडी स्क्रीन पर स्टेशन का पूरा नजारा देखा जा रहा है।

संभल में 24 कोसीय परिक्रमा की सुरक्षा-व्यवस्था के 300 पुलिसकर्मी रहेंगे तैनात

एजेंसी | संभल

शनिवार से शुरू हो रही 24 कोसीय परिक्रमा की सुरक्षा व्यवस्था के लिए चक्र तैयार हो गया है। लगभग तीन सौ पुलिस कर्मियों के हवाले यहां की निगरानी होगी। जिसमें दो सीओ, आठ थाना प्रभारी, सात प्रभारी निरीक्षक भी रहेंगे। सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार सोनी व एसडीएम विकास चंद्र भी मौजूद रहेंगे। इसके अतिरिक्त डेढ़ कंपनी पीएसी, दमकल वाहन व यातायात पुलिस कर्मियों को भी अलग अलग स्थान पर तैनात किया गया है। एएसपी उत्तरी कुलदीप सिंह ने बताया कि तीर्थ परिक्रमा के लिए सहायक पुलिस अधीक्षक/ क्षेत्राधिकारी संभल आलोक भाटी व क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप कुमार को अपने सर्किल का प्रभारी बनाया गया है। जो सुरक्षा इंतजामों का जायजा लेते रहेंगे। इसके साथ ही परिक्रमा मार्ग में पड़ने वाले हयातनगर, नखासा, कोतवाली, रायसत्ती, असमोली, ऐचौड़ा कंबोह व हजरतनगर गढ़ी थाना प्रभारियों के साथ सात अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक व 65 उप निरीक्षकों को भी तीर्थों व परिक्रमा मार्ग पर अलग अलग स्थान पर तैनात किया गया है।

एकीकृत पेंशन योजना अपनाने वाले सरकारी कर्मचारियों की संख्या कम, केवल 4प्रतिशत जुड़े: रिपोर्ट

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने इस साल अप्रैल में एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) शुरू की थी, लेकिन अब तक केवल 1,00,000 से ज़्यादा यानी 25 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों में से केवल 4त्न ने ही यपीएस का विकल्प चुना है। ज्ञात हो कि यूपीएस को अपनाने के लिए पहले 30 जून की समयसीमा तय की गई थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 30 सितंबर और फिर 30 नवंबर कर दिया गया। फाइनेंशियल एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, 14 अक्टूबर, 2025 तक उपलब्ध यूपीएस नामांकन के विवरण के अनुसार, 38,569 सिविल कर्मचारियों ने यूपीएस को चुना है, इसके बाद रेलवे (23,529), डाक (18,303), रक्षा (11,144) और दूरसंचार (349) का स्थान है। फाइनेंशियल एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, यूपीएस को कम अपनाने का कारण जागरूकता की कमी और अर्धसैनिक बल तथा रेलवे कर्मचारियों का प्रतिरोध हो सकता है, जो राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के तहत केंद्र सरकार के कर्मचारियों का लगभग दो-तिहाई हिस्सा हैं।

दुश्मनों पर आसमान से टूटेगा कहर!

सेना की हर बटालियन में ड्रोन प्लाटून तैयार, पाक सीमा पर दिखाया दम

एजेंसी | नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के ड्रोन अटैक के बाद अब भारतीय सेना ने सभी इन्फैंट्री बटालियन में एक खास ड्रोन प्लाटून बनाकर खड़ी कर दी है। शुक्रवार (24 अक्टूबर, 2025) को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में सेना ने अपनी इस खास अश्नि (अशनी) प्लाटून को दुनिया के सामने पेश किया है। पौराणिक इतिहास में अश्नि को देवराज इंद्र का हथियार माना जाता है, जिसे बज्र के नाम से भी जाना जाता है। भारतीय सेना की अश्नि प्लाटून में 20 सैनिक हैं, जिन्हें एफपीवी से लेकर सर्विलांस ड्रोन और स्वार्म ड्रोन सहित लोएटरिंग म्युनिशन में ट्रेनिंग दी गई है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान एफपीवी यानी फर्स्ट पर्सन व्यू ड्रोन का जमकर इस्तेमाल किया गया था।

पूर्व मंत्री बनवारीलाल शर्मा की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर सर्वसमाज की ओर से श्रद्धांजलि सभा आयोजित

ऐतिहासिक रक्तदान शिविर का हुआ सफल आयोजन, 211 यूनिट हुआ रक्तदान

धौलपुर विजय श्रीवास्तव द डेस्प्रिंग न्यूज़

पूर्वी राजस्थान के कद्दावर नेता एवं राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री स्व.बनवारीलाल शर्मा की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर धौलपुर सर्वसमाज की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन शुक्रवार को मचकुंड रोड स्थित परशुराम धर्मशाला में हुआ। पुण्यतिथि के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया जिसमें जिलेभर के रक्त वीरों ने बढचढकर हिस्सा लिया, जिसके प्रति युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

जिला ब्लड बैंक प्रभारी मुकेश शर्मा के अनुसार रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं की संख्या अनुमान से कहीं अधिक थी जिसके कारण शिविर सुबह 9 बजे ही शुरू करना पड़ा ब्लड बैंक में रक्त संरक्षण की सीमित

क्षमता के कारण 211 यूनिट रक्तदान के बाद शिविर बंद करना पड़ा,

उन्होंने कहा कि ब्लड बैंक में रक्त संरक्षण की क्षमता सीमित होने के चलते कई रक्तदाताओं को मायूस भी लौटना पड़ा है लेकिन जो लोग आज के शिविर में रक्तदान से वंचित रह गए हैं वे ब्लड बैंक में आकर कभी भी रक्तदान कर पुण्य लाभ ले सकते हैं। वहीं दोपहर 2 से 3 बजे तक चली श्रद्धांजलि सभा में जिले के गणमान्य लोगों के साथ साथ बड़ी संख्या में सर्व समाज के लोगों ने भाग लिया। श्रद्धांजलि सभा में विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बनवारीलाल शर्मा के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला और उनके जीवन से जुड़े संस्मरण साझा किए। उनकी पुत्रवधू और भाजपा नेत्री नीरजा अशोक शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि बनवारीलाल शर्मा ने हमेशा आदर्शों और सिद्धांतों की राजनीति की उन्होंने कभी भी सत्ता के लालच में आकर सिद्धांतों से समझौता नहीं किया, वे जनता के सुख-दुख में हमेशा शामिल रहने वाले सर्वसुलभ नेता थे। वे जीवन की अंतिम सांस तक जनसेवा में जुटे रहे। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजवीर राजावत,पूर्व विधायक अब्दुल सगीर खान, पूर्व विधायक मनोरमा सिंह, पूर्व जिला प्रमुख किशन चंद शर्मा, पूर्व मंत्री जगमोहन बघेल, भाजपा नेता विवेक बोहरा,डॉ शिवचरण कुशवाह,रीतेश शर्मा, लाखन सिंह खिड़ौरा, मोनू जादोन, दुर्गादत्त शास्त्री, सतेन्द्र पाराशर,केदार पोसवाल,जयवीर पोसवाल,मीथल शुक्ला,पी सी बोहरा,अनुराग मुद्गल,प्रिंस हुंडावाल, धनेश जैन,इसरार खान,दयाशंकर सक्सेना,सुरेश गोस्वामी,किरोड़ी लाल जाटव,सूरज जाटव, रमेश साहू, दीपू कुशवाह,खुशीलाल निषाद,बांके लाल लोधा,पृथ्वी सिंह मलिंगा,जंडेल सिंह एडवोकेट, श्री निवास शर्मा, राजा भैया,पूर्व पीएमओ जनार्दन सिंह सिकरवार,पवन चंसोरिया,पवन उपाध्याय,पंकज शर्मा जगन, सुमित शर्मा जगन,समर्थ शर्मा जगन,दुष्यंत शर्मा जगन,समेत अन्य परिवारीजन और हजारों की संख्या में सर्वसमाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बरेली में गूंजी शक्ति की आवाज: मिशन शक्ति दीदी अभियान फेज-5 के तहत महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और योजनाओं का कवच

द डेस्प्रिंग

(अनुभव मोहन सक्सेना ब्यूरो बरेली) । महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, 24 अक्टूबर 2025 को 'मिशन शक्ति दीदी अभियान फेज-5' के अंतर्गत महिला थाना जनपद बरेली के विशेष दल ने व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाया। महिला कांस्टेबल आरती बिश्नोई और अनुप्रभा यादव की सक्रिय भूमिका में, दल ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज समेत शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं और बालिकाओं को एकत्रित किया।

अभियान का उद्देश्य उन्हें सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और यातायात के नियमों के प्रति जागरूक करना था। विशेष रूप से, दल ने सरकार द्वारा संचालित महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं, जैसे- विधवा पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, और नशा मुक्ति भारत अभियान से अवगत कराया। महिलाओं को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों– वूमेन पावर लाइन (1090), महिला हेल्पलाइन (181), पुलिस आपातकालीन सेवा (112), चाइल्ड लाइन (1098), और साइबर क्राइम हेल्पलाइन (1930)– के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। यह पहल महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने की दिशा में बरेली पुलिस का सराहनीय प्रयास है।

किसान महापंचायत द्वारा कृषि उपज मंडी खैरथल में बिक रही प्याज जिसका दाम पांच रुपये जो किसान को आत्महत्या के लिए मजबूर कर रहा है.... वीरेंद्र चौधरी

द डेस्प्रिंग

मुंडावर/ हवासिंह चौधरी । किसान महापंचायत द्वारा कृषि उपज मंडी में स्थाई सचिव लगाने की भी मांग की ताकि मंडी में व्याप्त अनियमत्ताओं पर काबू पाया जा सके। किसान महापंचायत द्वारा कृषि उपज मंडी खैरथल में बिक रही प्याज जिसका दाम 5 रूपये जो किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर कर रहा है।

किसान महापंचायत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रोहिताश बोहरा सोडावास, प्रदेशाध्यक्ष मुसद्दीलाल यादव, जिलाध्यक्ष खैरथल-तिजारा वीरेन्द्र चौधरी, जिला महासचिव बीरसिंह ग्वाला, जिलाउपाध्यक्ष सरजीत चौधरी, जिलासचिव दयाराम यादव, जिला संगठन मंत्री गनपत राम यादव, हरसौली तहसील के अध्यक्ष शेरसिंह दहिया, मुंडावर तहसील के अध्यक्ष रामभरोस यादव,

कोटकासिम तहसील के अध्यक्ष ब्रह्मप्रकाश शर्मा, मुंडावर तहसील के संरक्षक सूबेदार रघुवीर यादव, मुंडावर तहसील के उपाध्यक्ष जगमाल सारण, नेत्री निक्की प्रजापत, बस्तीराम लम्बरदार, कैप्टन रामकरण आदि कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

भाजपा का स्नेह मिलन समारोह भाजपा प्रत्याशी रही संतोष मेघवाल के आवास पर हुआ आयोजन

पंचायत और निकाय चुनावों के बारे में हुई चर्चा

द डेस्प्रिंग

सुजानगढ़। सुजानगढ़ में गुरुवार को विधानसभा प्रत्याशी रही संतोष मेघवाल के आवास पर स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सुजानगढ़ भाजपा के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के पदाधिकारी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। मेघवाल ने कार्यकर्ताओं का मुंह मीठा करवाते हुए कहा कि भाजपा में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति कार्यकर्ता होता है। समारोह में आगामी निकाय और पंचायत चुनावों के बारे में भी चर्चा हुई। वहीं कार्यकर्ताओं ने अपने सुझाव रखे। इस दौरान मण्डल अध्यक्ष विनय माटोलिया, पूर्व अध्यक्ष भागीरथ करवा, महामंत्री गौरव इन्दोरिया, प्रकाश भार्गव, उपाध्यक्ष अमर चन्द सेन, नगर मंत्री मुरारी खण्डेलवाल, सीताराम सैनी, भंवरलाल, रिछपाल बिजारणियां, मनोज डूकिया, रामनिवास बुगालिया, विमल गोदारा, महावीर गोदारा, गणेश मंडावरिया, अंकित सारण, हीरालाल, मनोज पारीक, प्रेम स्वामी, हरिओम खोड़, दीपाराम सांडेला, किसन कटारिया, नेमीचंद पिलानिया, चंद्रप्रभा, किरण शर्मा, चित्रा शर्मा, विशाल बाजिया, शिवभगवान चौहान सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

धान के कमजोर भाव को लेकर ने किसान का 26 को मंडी बंद का ऐलान

26 को बूंदी व अगले दिनों में कोटा मंडी बंद करेंगे किसान

द डेस्प्रिंग

केशोरायपाटन(मुकेश जैन):। केशोरायपाटन शुगर मिल संयुक्त किसान समन्वय समिति के प्रतिनिधि नवीन श्रृंगी ने बताया कि पिछले वर्ष ओर इस वर्ष धान के कमजोर भावों ने किसानों की कमर तोड़ दी। लगातार 2 वर्षों से किसान मंडियों में लूट रहा हे। किसानों को औसत भाव 2 हजार से 2200 रूपये प्रति क्विंटल ही मिल रहा हे जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है इसको लेकर किसानों ने 8 तारीख को बूंदी मंडी बंद कर विरोध जताया था तब मंडी प्रशासन ने वार्ता कर जल्द निर्यातक बुलाने ओर सरकार तक बात पहुंचाकर उचित भाव हेतु समाधान का आश्वासन दिया था परन्तु कोई ठोस समाधान नहीं होने से किसानों को अपनी मेहनत की फसल को कम दामों पर बेचने को विवश होना पड़ा हे जिससे किसानों में निराशा और रोष है। इसीलिए अब किसानों ने उचित भाव को लेकर आर पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया हे। इसके अंतर्गत किसान 26 तारीख से बूंदी मंडी पर धरने पर बैठेंगे और मंडी अनिश्चित काल के लिए बंद रहेगी केशोरायपाटन क्षेत्र के किसान दोपहर 3 बजे शुगर मिल परिसर में एकत्रित होकर मंडी पहुंचेंगे बूंदी क्षेत्र के किसान 4 बजे सीधा मंडी गेट पहुंचेंगे उसके अगले दिन कोटा की भामाशाह मंडी को भी बंद करने की घोषणा की जाएगी जिसको लेकर किसान गांवों में तैयारी कर रहे हे युवा किसान नेता गिर्राज गौतम ने कहा कि एक ओर पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में सरकार मोटे धान को 3200 रुपए से अधिक में खरीद रही हे जहां

27 लाख से अधिक धान उत्पादक किसान को राहत मिल रही हे, महाराष्ट्र में सरकार लगभग 20 लाख मोटे धान उत्पादक किसानों को 20 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर का बोनस दे रही हे पंजाब हरियाणा की मंडियों में भी भाव तेज हे फिर हाड़ौती के लगभग 1 लाख बासमती धान उत्पादक किसानों के साथ अन्याय क्यों किया जा रहा हे गौतम ने कहा ये केवल इसी साल का मामला नहीं हे पिछले वर्ष किसानों को लगभग 1 हजार करोड़ का नुकसान हुआ जहां किसानों प्रति क्विंटल 1 हजार रुपए कम मिले इसी वर्ष भी यही हाल हे जबकि लगत लगभग 3 हजार रुपए प्रति क्विंटल आ रही हे ऐसे में किसानों ने दिवाली भी ढंग से नहीं मनाई हे गौतम ने कहा कि अगर यहाँ के धान उत्पादक किसानों के लिए कोई नीति निर्धारित नहीं होती हे तो किसानों को हर साल ऐसे ही मंडियों में लुटा जाएगा किसानों से कम कीमत पर फसल खरीदने वाले चावल मिल वाले जमीन से आसमान पर पहुंच गए व्यापारी फर्श से अर्श पर चले लेकिन किसान लगातार कर्जे में डूबता जा रहा हे अगर ऐसे ही चलता रहा तो किसान खेती करना बंद कर देगा बहुत बड़ी संख्या में गांवों से पलायन शुरू हो जाएगा ऐसे में इस व्यवस्था को बदलना जरूरी हे, इसी लिए अब किसानों ने आर पार की लड़ाई लड़ने का निर्णय किया हे गौतम ने किसानों ने अपील की हे के वो अब मंडियों में माल लेकर नहीं आए क्योंकि उन्हें वापस लौटना पड़ेगा तो उनका अनावश्यक खर्चा होगा साथ ही उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सभी किसान ज्यादा से ज्यादा संख्या में बूंदी मंडी पहुंचे तैयारियों को लेकर किसान नेता हरजिंदर सिंह, पुष्पचंद गुर्जर, हरिशंकर नागर, रामस्वरूप पहाड़, दिनेश नागर, श्याम खटाना,सोनू सैनी, चंद्रशेखर मालव,जसविंदर सिंह, जसपाल बल आदि ने गांवों में जाकर बैठके कर ज्यादा से ज्यादा किसानों 3 बजे से मंडी पहुंचने की अपील की।

साइबर क्राइम: झारखंड के जामताड़ा गिरोह का सक्रिय सदस्य बरेली से गिरफ्तार, फर्जी आधार कार्ड और सिम बरामद

द डेस्प्रिंग

(अनुभव मोहन सक्सेना ब्यूरो बरेली)। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने गैर-राज्यों में धोखाधड़ी कर साइबर ठगी करने वाले एक सक्रिय गिरोह के सदस्य को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त की पहचान विक्की साहू (पुत्र रोशनलाल साहू), निवासी जौहरपुर, थाना सी0बी0गंज, बरेली के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई एनसीआरपी पोर्टल पर पश्चिम बंगाल, बिहार और गुड़गांव से दर्ज शिकायतों के आधार पर की गई, जिनमें इस्तेमाल किए गए संदिग्ध बैंक खाते बरेली में लिंक थे।

पूछताछ में अभियुक्त ने स्वीकार किया कि उसका संबंध जामताड़ा (झारखंड) से संचालित साइबर अपराध के गिरोह से है। उसका काम भोले-भाले लोगों को लालच देकर उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाना था। ये 'म्युल खाते' बाद में गिरोह के अन्य सदस्यों को उपलब्ध कराए जाते थे, जिसके लिए उसे 15 प्रतिशत कमीशन मिलता था। वह खातों से लिंक मोबाइल नंबरों का क्यूआर कोड बनाकर गिरोह को भेजता था, जिससे खाता नियंत्रण में रहता था। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से 02 मोबाइल फोन, 01 सिम कार्ड और 04 फर्जी आधार कार्ड बरामद किए हैं। उसके विरुद्ध थाना साइबर क्राइम में मु0अ0सं0-32/2025 (धारा 319(2)/318(4)/338/336(3)/340 (2) बीएनएस व 66डी आईटी एक्ट) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में निरीक्षक नीरज सिंह, हे0का0 विलिश कुमार, का0 विवेक कुमार और का0 मनीष कुमार शामिल थे।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, गर्भपात कराने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

थाना सीबीगंज, बरेली पुलिस की कार्रवाई

द डेस्प्रिंग

(अनुभव मोहन सक्सेना ब्यूरो बरेली)। थाना सीबीगंज पुलिस ने शादी का झांसा देकर एक महिला के साथ दुष्कर्म करने और कथित तौर पर कई बार गर्भपात कराने के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को पुन्नापुर चौराहे से गश्त के दौरान पकड़ा गया। जानकारी के अनुसार, वादिनी ने 22.10.2025 को थाना सीबीगंज में तहरीर दी। वादिनी का आरोप था कि घुन्सा निवासी मुसाहिद पुत्र अतरहुसैन ने उसे शादी का झांसा दिया। आरोप है कि मुसाहिद ने महिला को नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश किया और जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। इतना ही नहीं, आरोपी ने वादिनी का दो से तीन बार गर्भपात भी कराया।

पीड़िता की शिकायत पर मुसाहिद सहित छह अन्य आरोपियों–फिरोज (खालू), अतर हुसैन, कलीमुद्दीन, असद और नन्ने–के खिलाफ थाना सीबीगंज में मुकदमा पंजीकृत किया गया।

मुख्य आरोपी गिरफ्तार: अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत, थाना सीबीगंज पुलिस टीम ने 23.10.2025 को गश्त के दौरान लगभग 10:40 बजे मुख्य अभियुक्त मुसाहिद (पुत्र अतरहुसैन, निवासी घुन्सा) को पुन्नापुर चौराहे से गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार अभियुक्त मुसाहिद ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह वादिनी को जानता है और उससे प्यार करता था। उसने दावा किया कि उनके बीच शारीरिक संबंध दोनों की मर्जी से कई बार बने थे। गिरफ्तारी को अंजाम देने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक श्री सुरेन्द्र पाल सिंह, निरी0 अप0 श्री सुदेशपाल सिंह विपिन तोमर और हे0कां0 रूपेन्द्र कुमार शामिल थे। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

शीलगांव में अज्ञात कारण से गरीब के आशियाने में लगी भीषण आग घरेलू सामान व मोटरसाइकल हुई जलकर खाक

द डेस्प्रिंग

मुंडावर/ हवासिंह चौधरी । मुंडावर उपखंड के गांव शीलगांव कलां की ढाणी भिखावास में राकेश पुत्र बलवान व भरत सिंह पुत्र रामसिंह मेघवाल के आशियाने में अज्ञात कारण से आग लग गई। जिसके बाद आग ने विकराल रूप ले लिया और घर में रखा हुआ सारा घरेलू सामान,पशुओं का चारा ,खाने का अनाज व एक मोटर साईकिल सहित जलकर खाक हो गई। साथ ही वहीं पर बंधी हुई एक पाड़ी भी इस आग की चपेट में आ गई।आग फैलते हुए पड़ोसी के घर तक भी पहुंच गई जिसके कारण पड़ोसी भरत सिंह की भी पशुओं की झोपडी जलकर खाक हो गई।

दूधिया रोशनी से जगमगाया सुजानगढ़

तिरंगे रंग में सजा घंटाघर

द डेस्प्रिंग

सुजानगढ़। दीपावली की पूर्व संध्या पर सुजानगढ़ शहर दूधिया रोशनी के डेकोरेशन से जगमगा उठा। शहर के घंटाघर को तिरंगे रंगों की आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया, जिससे पूरा शहर देशभक्ति और उत्सव के रंग में रंग गया।मुख्य बाजारों में स्वागत द्वार लगाए गए और विधायक मनोज मेघवाल सहित कई जनप्रतिनिधियों ने बाजार में पहुंचकर व्यापारियों से रामा-श्यामा की। रोशनी का मनमोहक नजारा देखने के लिए शहरवासियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।रात देर तक शहर में आतिशबाजी का दौर चलता रहा, जिससे दीपावली का माहौल और भी खुशनुमा बन गया। इस अवसर पर नगर परिषद सभापति नीलोफर गौरी, उपसभापति अमित मारोठिया, रामावतार मंगलहारा, बजरंग सेन, मुकुल मिश्रा सहित अनेक पार्षद मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों ने विधायक का साफा पहनाकर स्वागत किया और दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

त्योहार ने बढ़ाई रोडवेज की आय, यात्रियों का लगा रहा ताँता

राजस्थान रोडवेज की बल्ले बल्ले, राजस्व में उछाल - बहरोड- खैरथल -सोडावास में बसें खचाखच भरी चली

द डेस्प्रिंग

मुंडावर/ हवासिंह चौधरी । दीपावली और भैया दूज के अवसर पर कोटपूतली रोडवेज डिपो के लिए यह सप्ताह सोने पर सुहागा साबित हुआ। यात्रियों की बढ़ती आवाजाही के कारण दीपों का यात्री भार 90 -103 प्रतिशत तक पहुंच गया और आय में लाखों की बढ़ोतरी दर्ज हुई। त्यौहार के सीजन में कोटपूतली रोडवेज डिपो की कमाई और यात्री भार में जबरदस्त उछाल देखा गया। दीपावली के बाद भैयादूज तक यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ी। भाई बहनों के मिलन और कामकाजी लोगों के अपने कार्य स्थलों की

ओर लौटने से बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार को रोडवेज बसों में यात्रियों की भीड़ रही। दीपावली पर दीपों का यात्री भार 90 से 103 प्रतिशत पहुंच गया। धनतेरस पर यहां 101 प्रतिशत रहा। इस दौरान रोडवेज की आमदनी में भी उछाल देखने को मिला। दीपावली पर राजस्व आए 9 लाख 19 हज़ार रूपये रही, जबकि धनतेरस पर 8 लाख 16 हज़ार रुपए की आय हुई। भैया दूज के अवसर पर गुरुवार व शुक्रवार शाम तक यात्री भार 89 प्रतिशत तक पहुंच गया। त्यौहार के बाद घरों और कार्यस्थलों की ओर जाने वाले यात्रियों की भीड़ देर रात तक बनी रही। बहरोड -सोडावास- मुंडावर - खैरथल मार्ग पर रहा जाम.... दीपावली के दौरान अतिरिक्त पुलिस जाप्ता और ट्रैफिक नियंत्रण से बाजारों में राहत रही, लेकिन त्यौहार के बाद जाप्ता हटने के बाद कस्बे के मुख्य बाजार, चौराहे पर जाम के हालात बने। आमने-सामने वाहनों के फंसने से यातायात प्रभावित हुआ। ..यात्रियों को करनी पड़ी मशक़्क़त त्योहार के दौरान अधिक अतिरिक्त बसों के बावजूद भी ज्यादातर बसे खचाखच भरी रही। यात्रियों को बस में चढ़ने के लिए इंतजार करना पड़ा। बहरोड,खैरथल, सोडावास रूटों पर आने जाने वाली बसों में पहले से ही अधिक सवारी होने के कारण यात्रियों को अगली बस का इंतजार करना पड़ा। ...भैयादूज पर रही रौनक... भैयादूज के दिन सुबह से ही अस्थाई बस स्टैंड पर रौनक रही। बहने भाइयों से मिलने गांव से कस्बे की और शहरों से गांव की ओर निकली। बसों में भीड़ के कारण कई बहने को अपने भाइयों से मिलने पति के साथ बाइक से जाना पड़ा। जिससे बाइक की रेलमपेल देखने को मिली।.खैरथल सोडावास मुंडावर मार्ग पर और बसे बढ़ाए जाने की मांग.सामाजिक कार्यकर्ता देवेंद्र सिंह चौहान ठेकेदार बर्दोड, सम्मी चौधरी प्रधान पीपली बलराम चंदेला आलनपुर, कैलाश ख्याली छाबड़ी शामदा, राम सिंह सैनी बड़ोद, रोहिताश बोहरा किसान महापंचायत राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सोडावास, प्रेमप्रकाश पटवारी नासरपुर, राजू शीला मुंडावरिया, खैरथल बहरोड पर बसे बढ़ाए जाने की मांग की केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से की है।

श्री मारवाड़ मेघवाल सेवा संस्थान का 12वां प्रतिभा सम्मान समारोह : तैयारियां जोरों पर, समाज में उत्साह का माहौल

अंतिम तैयारियों को लेकर संस्थान परिसर में आयोजित हुई बैठक

द डेस्प्रिंग

रानी (पाली)/नगराज वैष्णव । रानी तहसील के वरकाणा गांव में श्री मारवाड़ मेघवाल सेवा संस्थान, शाखा रानी (जिला पाली) द्वारा आयोजित होने वाले 12वें प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियां चरम पर हैं। समाज के इस गौरवपूर्ण आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह और उल्लास का वातावरण है। रविवार को संस्थान परिसर में अंतिम तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें समारोह की संपूर्ण रूपरेखा, मंच व्यवस्था, स्वागत-सत्कार, आवास, भोजन व्यवस्था और यातायात प्रबंधन सहित सभी बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रत्येक कार्य को जिम्मेदारीपूर्वक संपन्न करने के लिए अलग-अलग समितियां गठित की गईं और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। संस्थान की ओर से समारोह की सूचना एवं आमंत्रण पत्र घर-घर पहुँचाने का

विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान रानी ब्लॉक के साथ-साथ अहमदाबाद, आबूरोड और आसपास के गांवों में पूरे जोश के साथ जारी है। समाजजनों में समारोह को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है। संस्थान के मीडिया प्रभारी अशोक कड़ेला निम्बाड़ा ने बताया कि यह भव्य आयोजन 26 अक्टूबर, रविवार, प्रातः 9 बजे से संस्थान परिसर, रानी-देसूरी रोड, वरकाणा में आयोजित होगा। समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद माननीय नीरज डांगी होंगे, जबकि अध्यक्षता श्री रघुनाथ पीर धूणी एवं मेघवाल समाज महासभा विकास न्यास ढालोप के अध्यक्ष मुन्नालाल मेन्सन करेंगे। इसके अलावा समाज के कई गणमान्य व्यक्तित्व इस अवसर पर उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। कड़ेला ने बताया कि इस समारोह का प्रमुख उद्देश्य समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाना और नवपीढ़ी को प्रेरित करना है। शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेलकूद एवं प्रशासनिक सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों, युवा प्रतिभाओं एवं नवचयनित अधिकारियों को मंच पर सम्मानित किया जाएगा। तैयारियों में संस्थान अध्यक्ष दीपाराम बागरेचा, कार्यक्रम संयोजक भानाराम जयपाल, मांगीलाल राठौड़, मगाराम सोनल, हंसराम हटेला, मांगीलाल मोबारसा, तुलसाराम मकवाना, मोहनलाल विरायस, रामलाल परिहार, दिनेश वागोणा, अशोक कड़ेला, मानाराम राठौड़, मनाराम दुदवर, खीमाराम परमार और लच्छाराम परिहार सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जुटे हुए हैं। बैठक में संस्थान अध्यक्ष दीपाराम बागरेचा, पुखाराम वागोणा, दलपत खारड़ा, उम्मेदराम बोस, भानाराम जयपाल, तुलसाराम मकवाना, मानाराम राठौड़, रामलाल परिहार, बाबूलाल सोलंकी, ओमप्रकाश आदरा, वालाराम पारंगी, लछाराम परिहार, मनाराम परमार, मोहनलाल विरायस, वेलाराम भटनागर, हंसराम हटेला, अशोक कड़ेला निम्बाड़ा एवं नैनाराम गोयल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। समारोह को सफल और यादगार बनाने के लिए संस्थान की पूरी टीम दिन-रात मेहनत कर रही है। समाजजनों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी आयोजन को ऐतिहासिक बनाएं। इस भव्य समारोह के माध्यम से न केवल समाज की प्रतिभाओं का सम्मान होगा, बल्कि नई पीढ़ी को अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहने और उत्कृष्टता की दिशा में बढ़ने की प्रेरणा भी मिलेगी।

प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल की भजन संध्या में गूंजी भक्ति की स्वर लहरियां

भक्ति और संगीत से सरोबार हुआ सुजानगढ़

सुजानगढ़ नागरिक परिषद कोलकाता की और से हीरक जयंती के अवसर पर हुआ भजन संध्या का आयोजन

द डेस्प्रिंग

सुजानगढ़ । सुजानगढ़ में भक्ति और संगीत का अद्भुत संगम देखने को मिला। ओजस्वी भजन गायक कन्हैया मित्तल ने अपनी प्रभावशाली वाणी और मधुर भजनों से ऐसा वातावरण बनाया कि पंडाल में बैठे श्रोता झूम उठे और नाचने लगे।यह भव्य भजन संध्या शास्त्री प्याऊ के पास कुबेर गार्डन में आयोजित की गई। मित्तल ने "जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे", "तेरा सालासर दरबार तने पूजे यो संसार "तेरी गूंजे जय जयकार, मने अच्छा लागे से"मेरी झोपड़ी में आज राम आएंगे,राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी जैसे लोकप्रिय भजनों की प्रस्तुति देकर पूरा सुजानगढ़ राममय कर दिया।भजनों के माध्यम से कन्हैया मित्तल ने राम भक्ति और देशभक्ति की ऐसी रसधारा प्रवाहित की कि पूरा पंडाल "जय श्री राम" के नारों से गूंज उठा। मंच पर श्याम बाबा, खाटू श्याम जी और सालासर बालाजी का दरबार भी विशेष रूप से सजाया गया था।सुजानगढ़ नागरिक परिषद के सचिव सीए आदित्य कोठारी ने बताया कि यह आयोजन सुजानगढ़ नागरिक परिषद, कोलकाता द्वारा उनके हीरक जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में किया गया।मीडिया प्रभारी कमल तापड़िया ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन और सहयोग भूतोड़िया परिवार द्वारा किया गया।भजन संध्या के प्रारंभ में महिला जागृति समिति की अध्यक्ष सुषमा मूंधड़ा सहित अन्य महिलाओं ने स्वागत गीत की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।इससे पूर्व कार्यक्रम में आये हुए अतिथि पूर्व मंत्री बीड़ी कल्ला,विधायक मनोज मेघवाल,सभापति नीलोफर गौरी,बीदासर पंचायत समिति की प्रधान संतोष मेघवाल,सरपंच सविता राठी, का स्वागत महिला जागृति समिति की अध्यक्ष सुषमा मूंधड़ा,परिषद के अध्यक्ष सुनील डोसी, सचिव सीए आदित्य कोठारी,राजेश सुंदरिया,तरुण लोढा, नरेश प्रजापत, दिनेश तंवर,जगदीश जालान,सुनील सडूवाला ने किया। भामाशाह व समाजसेवी संदीप भूतोड़िया ने सभी का आभार जताया।

ग्राम गोपालपुरा के राकेश शर्मा का आरएएस में चयन ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

द डेस्प्रिंग

सुजानगढ़ । निकटवर्ती ग्राम गोपालपुरा के राकेश शर्मा के आरएएस में चयन होने पर ग्रामीणों ने पंचायत परिसर में उनका भव्य स्वागत किया।

इस अवसर पर प्रशासक सविता राठी, गणपत दास, डूंगर बालाजी मंदिर ट्रस्ट से महंत तनदास, ठाकुर गुमानसिंह, देवीसिंह राठौड़, प्रिंसिपल केसरी सिंह, सोहनलाल जाट, चतरसिंह, प्रहलाद दर्जी, पप्पू पुनिया, बलबीर सिंह, कैलाश एवं बाबूलाल, त्रिलोक मेघवाल, विष्णु सोनी, तिलोकाराम, नरेंद्र सिंह, भींवाराम सारण, गौतम सिंह, दीपचंद गिलड़ा, भवानी शंकर बूगालिया, धन्नाराम मेघवाल, सुआ कंवर, उषा, जगदीश स्वामी और नीरज स्वामी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सभी ने साफा, माला, शाल और तस्वीर भेंट कर राकेश शर्मा का सम्मान किया।कार्यक्रम से पूर्व राकेश शर्मा के घर से डीजे के साथ नाचते-गाते ग्रामीणों ने गांव में जगह-जगह घनश्याम लाहोटी, बजरंग लाहोटी, बजरंग कुदाल, जुगल राठी और

दामोदर शर्मा ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

राकेश शर्मा के पिता कुलदीप शर्मा और माता चंद्रकला शर्मा का भी साफा व शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।इस अवसर पर एसआई बने मनफूल मेघवाल, मेजर डॉ. अक्षय राठी, राजकमल (आईएम टॉपर), सीए महेश गिलड़ा और अन्य प्रतिभाओं का भी सम्मान किया गया।

प्रशासक सविता राठी ने कहा कि "प्रतिभाओं का सम्मान करना हमारा फर्ज है, लेकिन यह प्रतिभाएं भावी पीढ़ी को प्रेरित करने का भी संकल्प लें।" कार्यक्रम में सम्मानित होने पर राकेश शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कायस्थ समाज का दीपावली मिलन समारोह हुआ आयोजित

धौलपुर विजय श्रीवास्तव द डेस्प्रिंग न्यूज़

चित्रगुप्त समिति कायस्थ समाज का दीपावली मिलन समारोह प्राचीन चित्रगुप्त मंदिर पुराना शहर धौलपुर पर बुधवार साय को हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ भगवान चित्रगुप्त के पंचामृत अभिषेक, कलम दवात की पूजा अर्चना एवं सामूहिक महाआरती के साथ आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में कायस्थ समुदाय की महती भूमिका रही है यह समुदाय स्वामी विवेकानंद,सुभाष चंद्र बोस राजेंद्र प्रसाद, लाल बहादुर शास्त्री एवं जय प्रकाश नारायण जे महापुरुषों की विचार धारा पर चलने वाला समाज रहा है

कायस्थ समाज के अध्यक्ष विजय श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ समाज में राजनैतिक जागरूकता की आवश्यकता है कायस्थ युवाओं अधिक से अधिक राजनीति में भाग लेकर देश की

सेवा करें

कायस्थ महासभा के अध्यक्ष राकेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ समाज संगठित होकर समाज एवं देश के उत्थान एवं एवं विकास में अपनी भागेदारी निभाए

समारोह को शिक्षाविद गोविन्द सक्सेना आदि ने सम्बोधित किया

समारोह में जिले के सबसे बुजुर्ग 87 वर्षीय जय प्रकाश श्रीवास्तव को वयोवृद्ध सम्मान प्रदान किया गया एवं समाजसेवी डॉ पी एस अस्थाना की स्मृति में भगवान चित्रगुप्त की तस्वीरों का लोकार्पण कर वितरित की गई

समारोह में मंदिर के पुजारी मदन लाल शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश श्रीवास्तव, गोविंद सक्सेना, राकेश चन्द्र श्रीवास्तव, दिनेश चन्द्र श्रीवास्तव, डॉ सुभाष श्रीवास्तव, डॉ अनूप अस्थाना,विजय श्रीवास्तव, एडवोकेट नरेन्द्र सक्सेना, पवन कुमार श्रीवास्तव, नीकेश सक्सेना, मुकेश श्रीवास्तव,डॉ अभिजीत अस्थाना, डॉ नवनीत श्रीवास्तव, डॉ नरेश कुमार श्रीवास्तव, श्याम मनोहर कुलश्रेष्ठ, दुर्गेश श्रीवास्तव,अनिल कुमार श्रीवास्तव,संजय श्रीवास्तव, राजेंद्र सक्सेना, शैलेन्द्र सक्सेना ष्ट, उमेश कुमार श्रीवास्तव, डॉ मंदीप अस्थाना, रिंकू श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, लक्ष्मण माथुर, तनू श्रीवास्तव, खुशी श्रीवास्तव, वंश श्रीवास्तव, अनमोल श्रीवास्तव, क्षिप्रा श्रीवास्तव, राजेंद्र कुमार, आदि मौजूद रहे

रानी पुर्व छात्र परिषद् का दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन हुआ

द डेस्प्रिंग

रानी / नगराज वैष्णव । विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से प्रेरित आदर्श शिक्षा संस्थान बाली द्वारा संचालित आदर्श विद्या मन्दिर माध्यमिक रानी की पुर्व छात्र परिषद् का दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्य गोविन्द वैष्णव के सानिध्य व पुर्व छात्र नितिन परमार की अध्यक्षता में हुआ / प्रधानाचार्य गोविन्द वैष्णव ने पुर्व छात्र परिषद् की कार्य प्रणाली के बारे मे बताया / इस अवसर पर पुर्व छात्र राधेश्याम सिंह पुनाडिया , कोष प्रमुख प्रियांशु वैष्णव, प्रचार प्रमुख शुभम् सोनी , गोविन्द राम , ओमपाल सिंह चारण , पुर्व छात्रा प्रभारी मधु कुमारी भाटी , पुर्व छात्रा मिताली , रुचिता , नम्रता सुराणा सहित पुर्व छात्र व छात्रा मौजूद रहे ।

एंटी करप्शन के तुलसीराम सैनी बने जिला अध्यक्ष. लोगों ने क्या भव्य स्वागत.

द डेस्प्रिंग

अमित भारद्वाज रामगढ़ अलवर राजस्थान ।रामगढ़ अलवर मैं एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय चीफ सुप्रीमो नरेंद्र अरोड़ा की अभिशंशा पर अलवर जिला चीफ डायरेक्टर पद तुलसी राम सैनी जी को नियुक्त किया आज शाम करीब 6:00 बजे छगनलाल सेन की दुकान पर एक स्वागत समारोह रखा गयाइस अवसर पर रामगढ़ में फूल मालावो व साफा बांधकर जगह पर स्वागत किया गया इस अवसर पर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष पंडित बबली शर्मा. कांग्रेस नेता जय राम मीणा . एडवोकेट अमित भारद्वाज. भाजपा नेता लाखन शर्मा . ठेकेदार लकी कुकरेजा. छगनलाल सेन काली . विजय शेखावत. इंजीनियर समीर खान . गौरव सोनी. सेठ रिंकी सतीजा. मास्टर मदन मुखिया. दिनेश मीणा. अविनाश यादव. धीरज शर्मा गोपाल शर्मा. सचिन मनचंदा. राजीव शर्मा.आदि गण मान्य लोगों द्वारा स्वागत किया गया

अग्रवाल समाज शहर की बैठक सम्पन्न

अग्र अधिवेशन हेतु घर-घर संपर्क अभियान का हुआ निर्णय

धौलपुर विजय श्रीवास्तव द डेस्प्रिंग न्यूज़

अग्रवाल समाज शहर रणछोड़नगरी धौलपुर मंत्री गौरव गोयल ने बताया एक बैठक का आयोजन दिनांक 20 अक्टूबर को श्याम कॉम्प्लेक्स में अग्रवाल समाज शहर अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेशाध्यक्ष गिरीश कुमार गर्ग विशिष्ट अतिथि हरिनारायण गर्ग महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती इंद्रा जिंदल , जिला महामंत्री राजेश गर्ग एवं जिला मंत्री मुकेश बंसल रहे।।

मंत्री गौरव गोयल ने बताया कि अग्रवाल समाज शहर की प्रथम कार्यकारिणी बैठक में दिनांक 26 अक्टूबर को बाड़ी में आयोजित विशाल अग्र अधिवेशन में अग्रवाल समाज शहर से 5 बसें एवं 50 गाड़ियों का लक्ष्य तय किया गया है जिसके बाद घर-घर पीले चावलों के साथ सूचना पत्रक एवं आमंत्रण पत्र के साथ कार्यकारिणी द्वारा सम्पर्क किया जायेगा! बैठक में इस अवसर पर श्री दीनदयाल गर्ग जी

के आकस्मिक देहावसान पर शोक प्रस्ताव पास कर बैठक को 2 मिनट के लिए स्थगित किया गया। प्रथम कार्यकारिणी बैठक में महिला मंडल संरक्षक रागिनी अग्रवाल जी , सरला गर्ग , डॉ सीमा गर्ग , पार्षद मनीषा गोयल , वरिष्ठ उपाध्यक्ष गौरव गर्ग , कोषाध्यक्ष रामदास गर्ग , निरीक्षक दीपक गोयल सहमंत्री अजय बंसल , युवा अध्यक्ष अभिषेक सिंहल ,युवा मंत्री प्रहलाद मंगल सहित बड़ी संख्या में अग्रबंधु उपस्थित रहे।

साईजी की बेरी में हजरत हाजी कादर शाह बाबा का 48वां सालाना उर्स 30 अक्टूबर को मनाया जाएगा

कौमी एकता है मिशाल है हाजी कादर शाह बाब की दरगाह , गुजरात राजस्थान से पहुंचते है जायरीन दरगाह पर

दरगाह परिसर में तैयारियां जोरों पर, कव्वाली में लखनऊ के मशहूर कव्वाल कमर अहमद वारसी पेश करेंगे कलाम

द डेस्प्रिंग

जालोर / युनुस खान । साईजी की बेरी स्थित हजरत हाजी कादर शाह बाबा का 48वां सालाना उर्स इस वर्ष 30 अक्टूबर को बड़े ही अकीदत और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। दरगाह परिसर में उर्स को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। दरगाह को रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया जा रहा है और साफ-सफाई का कार्य अंतिम चरण में है। दरगाह परिसर में हर वर्ष की तरह इस बार भी राजस्थान और गुजरात सहित देश के विभिन्न हिस्सों से जायरीन (श्रद्धालु) बड़ी संख्या में पहुंचेंगे। उर्स के अवसर पर धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ कव्वाली का आयोजन भी विशेष आकर्षण रहेगा। जानकारी के अनुसार, 30 अक्टूबर की रात लखनऊ के प्रसिद्ध कव्वाल कमर अहमद वारसी अपने कलाम पेश करेंगे।

29 अक्टूबर को झंडा रोहण के साथ होगी उर्स की शुरुआत

हजरत हाजी कादर शाह बाबा के 48वें उर्स की शुरुआत 29 अक्टूबर की सुबह दरगाह के बुलंद दरवाजे पर झंडा रोहण की रस्म से होगी। यह रस्म डीसा के पीर-ए-तरीकत सैय्यद मोहम्मद अली बाबा एवं सैय्यद हसन अली बाबा की सरपरस्ती में, दरगाह अध्यक्ष, खादिमों और कमेटी के सदस्यगणों की मौजूदगी में अदा की जाएगी। इसके साथ ही उर्स का आगाज़ होगा। कार्यक्रम के तहत 30 अक्टूबर (गुरुवार) को बाद नमाजे-जौहर कुरानख्वानी, संदल गुलाबपेशी, और बड़े लंगर की

शुरुआत की जाएगी। रात में कव्वाली का आयोजन होगा, जबकि 31 अक्टूबर (शुक्रवार) की सुबह आखिरी कुल की फातिहा के साथ उर्स संपन्न होगा।

जायरीन की सुविधा के लिए की गई बेहतरीन व्यवस्थाएं

उर्स इंतजामिया कमेटी की ओर से जायरीन की सुविधा के लिए पेयजल, रोशनी, सफाई और ठहरने की व्यवस्था की गई है। दरगाह परिसर में रंग-रोगन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, साथ ही दूर-दराज से आने वाले जायरीन के लिए लंगर और विश्राम की भी व्यवस्था की गई है।

कौमी एकता की मिसाल है हजरत हाजी कादर शाह बाबा की दरगाह

रानीवाड़ा और मालवाड़ा के बीच स्थित हजरत हाजी कादर शाह बाबा की दरगाह कौमी एकता की मिसाल है। यहां सभी धर्मों के लोग बाबा की मजार पर हाजिरी देने और मन्नतें मांगने आते हैं। यह दरगाह सदियों से सामाजिक सद्भाव, प्रेम और भाईचारे का प्रतीक बनी हुई है। सूफ़ी संत हजरत हाजी कादर शाह बाबा 11वीं से 13वीं शताब्दी के महान संतों में गिने जाते हैं, जिन्होंने मानवता, स्नेह और एकता का संदेश दिया।

दरगाह का करामाती नीम आज भी देता है शिफा

दरगाह परिसर में मौजूद बाबा का करामाती नीम का पेड़ आज भी लोगों की आस्था का केंद्र है। मान्यता है कि जब पुराने समय में इलाज की सुविधाएं नहीं थीं, तब बाबा ने अपने हाथों से इस नीम की एक डाली साधना द्वारा सिद्ध कर लगाई थी। इस नीम की खासियत यह है कि जिस डाली को बाबा ने स्वयं सिद्ध किया था, उसके पत्ते मीठे हैं, जबकि बाकी पेड़ के पत्ते सामान्य नीम की तरह कड़वे हैं। श्रद्धालु मानते हैं कि इन पत्तों के उपयोग से कई प्रकार के रोगों से मुक्ति मिलती है। इसी पेड़ की एक बड़ी जड़ जमीन से बाहर निकली हुई है। परंपरा के अनुसार, बच्चे को सात बार इस जड़ निकालने पर भारी खांसी और अन्य रोगों का निवारण होता है ।

सम्पादकीय

जीवन रक्षक ओआरएस

सेहतवर्धक बताकर विभिन्न खाद्य-पेय उत्पाद बेचना बाजार की मुनाफा रणनीति का हिस्सा बन चुका है। भले ही वह आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ करता हो। ऐसे में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक फॉर्मूलेशन के अनुरूप न होने वाले किसी भी पेय पदार्थ के लेबल पर 'ओआरएस' यानी ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट शब्द लिखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। निस्संदेह, यह एक जन-स्वास्थ्य की दिशा में हासिल एक बड़ी सफलता है, जिसकी लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। दरअसल, यह आदेश हैदराबाद की बाल रोग विशेषज्ञ शिवरंजनी संतोष द्वारा आठ साल की लंबी लड़ाई के बाद सामने आया है। वास्तव में उन्होंने यह उजागर करने के लिये लंबा संघर्ष किया था कि कैसे कई चीनी युक्त कथित ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय पदार्थों को चिकित्सकीय समाधान के रूप में बेचने के लिये भ्रामक रूप से 'ओआरएस' शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि सालों से अभिभावक इस पेय पदार्थ की पैकेजिंग पर कारोबारियों द्वारा लिखे 'ओआरएस' शब्द पर भरोसा करते हुए बीमार बच्चों को पिलाते रहे हैं। वे इस बात से बेखबर थे कि पेय पदार्थ में चीनी की उच्च सांद्रता निर्जलीकरण की स्थिति को बढ़ावा दे सकती है। विशेष रूप से बच्चों को देने पर दस्त की स्थिति में यह घातक हो सकती थी। यहां उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुमोदित ओआरएस घोल में सावधानीपूर्वक ग्लूकोज और इलेक्ट्रोलाइट्स का एक संतुलित मिश्रण निर्धारित होता है। जिसे बीमार बच्चों या व्यक्ति को शरीर में तरल पदार्थों व लवणों की कमी की पूर्ति के लिये तैयार किया जाता है। जबकि हकीकत यह है व्यावसायिक दृष्टि से बेचे जा रहे पेय पदार्थों का भले ही चिकित्सा वैधता का दावा किया जाए, लेकिन वे मीठे घोल के अलावा कुछ नहीं होते। जबकि हकीकत यह है कि इन बाजारू पेय पदार्थों की बिक्री से मोटा मुनाफा ही कमाया जा रहा था।

यह तथ्य भी चौंकाने वाला ही है कि भारत में इस तथाकथित मीठे 'ओआरएस पेय' का सारा कारोबार लगभग एक हजार करोड़ रुपये के लगभग है। यहां तक कि कुछ पेय पदार्थों के ब्रांड मालिकों ने केवल तीन वर्षों में पांच गुना बिक्री का दावा किया है। उन्होंने ओआरएस बिक्री के चौदह फीसदी से अधिक हिस्से पर अधिकार करने का उल्लेख किया है। दरअसल, विभिन्न स्वाद वाले पेय पदार्थ को स्वास्थ्यवर्धक के रूप में पेश करके कंपनियों को अपने कारोबार में तेजी लाने का आसान मौका मिल जाता है। हकीकत में इसका लाभ कंपनियां अपने ब्रांड का भरोसा बढ़ाने और फार्मेसियों और किराने की दुकानों में समान रूप से उपभोक्ताओं को आकर्षित करने में कामयाब होने में उठाती हैं। यह विडंबना है कि देश में कमजोर नियामक निगरानी के चलते ही इस मुनाफे के घातक कारोबार के विस्तार के लिये अनुकूल वातावरण बन पाया है। अब विश्वास किया जाना चाहिए कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की सख्ती से इस मुनाफाखोरी के घातक कारोबार पर अंकुश लगाने में कामयाब मिल सकेगी। इस सारे प्रकरण का एक सबक यह भी है कि कैसे सतर्क नागरिक और नैतिक रूप से सजग चिकित्सक सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने में सक्षम हो सकते हैं। खासकर उन क्षेत्रों में जहां अकसर प्रवर्तन कार्रवाई की कमी नजर आती है। निश्चित रूप से यह प्रकरण खाद्य विपणन और वैज्ञानिक प्रमाणों के बीच की खाई को भी उजागर करता है। दरअसल, यह जन स्वास्थ्य से जुड़ी एक ऐसी खाई है जिसे हमारी नियामक एजेंसियों को पाटने के लिये निरंतर सजग रहने की सख्त आवश्यकता है। ओआरएस जैसी साधारण, लेकिन जीवन रक्षक पेय की शुद्धता की रक्षा करते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने एक बार फिर से पुष्टि की है कि स्वास्थ्य की रक्षा कोई मार्केटिंग का नारा नहीं हो सकता। निश्चित रूप से विश्वास किया जाना चाहिए कि इस हालिया प्रतिबंध से आने वाले समय में मीठे-मीठे झूठों का अंत हो सकेगा।

बिहार चुनाव : मुद्दों एवं मूल्यों से दूर भागती राजनीति

ललित गर्ग

बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं।

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। हर दल अपने-अपने घोषणापत्र, नारों और वादों के साथ जनता को लुभाने में जुटा है। मंचों पर भाषणों की गरमी है, प्रचार रथ दौड़ रहे हैं, लेकिन इस शोर में सबसे बड़ी कमी है- जनता के असली मुद्दों की आवाज़। राजनीति का यह शोर विकास की असली जरूरतों को दबा रहा है। बिहार जैसे राज्य में जहां गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, और सामाजिक पिछड़ापन अब भी विकराल रूप में मौजूद हैं, वहां चुनावी विमर्श का इनसे विमुख होना चिंताजनक है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का विरोधाभास ही नहीं, दुर्भाग्य है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर क्यों बिहार चुनाव में कोई भी दल उन मुद्दों को ईमानदारी से नहीं उठा रहा जो सीधे-सीधे जनता के जीवन से जुड़े हैं? क्यों शराबबंदी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, अपराध-माफिया शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वास्तविक सवाल राजनीतिक एजेंडे से गायब हैं?

एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुनः स्थापना का नारा उठा रहे हैं। यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है।

वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लेकिन बिहार चुनाव ऐसे विरोधाभास के कारण कथनी करनी के अंतर का अखाड़ा ही बनते हुए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि हमारे जीवन में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों का व्यवहार दोगला हो गया है। उनके द्वारा दोहरे मापदण्ड अपनाने से हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। चुनाव एवं चुनावी मुद्दें समस्याओं के समाधान का माध्यम बनने चाहिए, लेकिन वे समस्याओं को बढ़ाने का जरिये बनते रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला-सुरक्षा, अपराध-नियंत्रण की प्राथमिकता के नारे हमारे लिए स्वप्न ही बने हुए हैं।

ये तो कुछ नमूने हैं जबकि स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी हमें अहसास नहीं हो रहा है कि हम स्वतंत्र हैं। राजनीतिक विरोधाभासों और विसंगतियों से उत्पन्न समस्याओं से हम आज़ाद नहीं हुए हैं। हमारे कर्णधारों के चुनावी भाषणों में आदर्शों का व्याख्यान होता है और कृत्यों में भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि हम हर स्तर पर वैश्वीकरण व अपने को बाजार बना रहे हैं। अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हैं। पर हमने अपने आप को, अपने भारत को, अपने बिहार को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को नहीं पहचाना। नियति भी एक विसंगति का खेल खेल रही है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी पाने वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? पहले नेता के लिए श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, हमने 15 गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। बिहार इस नियति से कब मुक्त होगा, यही इस चुनावों में विमर्श का सबसे बड़ा मुद्दा होना चाहिए। बिहार की सबसे बड़ी त्रासदी बेरोजगारी है। लाखों युवाओं के पास न काम है, न अवसर। हर चुनाव में इस पर वादे किए जाते हैं, लेकिन परिणाम लगभग शून्य रहते हैं। प्रदेश के नौजवान पलायन को मजबूर हैं, मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। चुनावी सभाओं में नौकरियों का झांसा तो मिलता है, लेकिन ठोस योजनाएं और नीतियां कहीं दिखाई नहीं देतीं। राजनीतिक दलों के पास न तो रोजगार सृजन की दीर्घकालिक योजना है, न शिक्षा और कौशल विकास को जोड़ने की कोई ठोस रणनीति। चुनावी भाषणों में 'बिहार के विकास' की बातें होती हैं, लेकिन युवा भविष्य की वास्तविक चिंता कहीं नहीं झलकती। बिहार में महिला सुरक्षा, अपराध और माफिया तंत्र का प्रश्न भी उतना ही ज्वलंत है। हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। भूमि विवादों, रंगदारी और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों की गतिविधियाँ अब भी जारी हैं। मगर किसी भी दल की ओर से इन पर कोई ठोस नीति या वचन नहीं दिखाई देता।

राजनीतिक दल जानते हैं कि इन विषयों पर बात करना असुविधाजनक है, क्योंकि यह सीधा शासन व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। इसलिए वे इन पर मौन साधे हुए हैं। अपराध और महिला सुरक्षा पर चुप्पी बताती है कि सत्ता प्राप्ति की होड़ में संवेदनशीलता की कोई जगह नहीं बची है। बिहार की राजनीति आज भी जातीय समीकरणों और तुष्टिकरण की जकड़ में फंसी हुई है। विकास और सुशासन की बातें केवल नारों तक सीमित हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर प्रचार तक, हर जगह जातीय गणित प्राथमिकता में है। परिणाम यह है कि मुद्दे हाशिये पर चले जाते हैं और वोट बैंक की राजनीति सर्वोच्च स्थान पा लेती है। विकास के नाम पर किए गए बड़े-बड़े दावे चुनाव बीतते ही धुंधले पड़ जाते हैं। गांवों में आज भी सड़कें टूटी हैं, अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं, स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं, और प्रशासनिक तंत्र भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। ऐसे में जब राजनीतिक दल मुद्दों पर संवाद करने के बजाय केवल आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हों, तो जनता का विश्वास कमजोर पड़ना स्वाभाविक है।

आज बिहार को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो चुनाव को जन-कल्याण के दृष्टिकोण से देखे, न कि केवल सत्ता प्राप्ति की दौड़ के रूप में। शराबबंदी, रोजगार, अपराध-मुक्ति, महिला सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे बिहार राज्य की आत्मा हैं। इन्हें नज़रअंदाज़ करना, बिहार के भविष्य को अंधेरे में धकेलने जैसा है। विकास का अर्थ केवल सड़कें और पुल नहीं, बल्कि मानव विकास है, जहां हर व्यक्ति सुरक्षित, शिक्षित, रोजगारयुक्त और सम्मानजनक जीवन जी सके। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता अब केवल नारों से नहीं, परिणामों से प्रभावित होती है। बिहार चुनाव हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या राजनीति अब केवल सत्ता का खेल बनकर रह गई है? क्या लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनसेवा-अब खो गया है? जब जनता के असली मुद्दे, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा और सामाजिक न्याय, चुनावी भाषणों से गायब हो जाएं, तब यह लोकतंत्र के क्षरण का संकेत है।

जरूरत है कि राजनीतिक दल फिर से उन बुनियादी प्रश्नों पर लौटें, जिन पर बिहार का वर्तमान और भविष्य निर्भर करता है। यदि वे ऐसा नहीं करते, तो बिहार की जनता का यह चुनाव एक बार फिर केवल चेहरों और गठबंधनों का उत्सव बनकर रह जाएगा, जहाँ जनहित और जनसरोकार फिर से पीछे छूट जाएंगे। बिहार को नारों नहीं, नीतियों की राजनीति चाहिए और यह तभी संभव है, जब मुद्दों पर बात करने का साहस राजनीति में लौट आए।

पराली व प्रदूषण के मुद्दे पर जूझते भारत-पाक

चीन ने किसानों को 2019 में 4 अरब युआन से ज़्यादा की सब्सिडी दी। इस राशि से पराली से बायोमास ईंधन में रूपांतरण करने वाले स्टेशनों को वित्तपोषित करने में मदद मिली। किसानों को पराली इकट्ठा करने वाली मशीनों पर सब्सिडी और पराली आपूर्ति के लिए पारिश्रमिक दिया गया। परिणामस्वरूप, चीन का अनाज उत्पादन 36 प्रतिशत से ज़्यादा बढ़ गया है।

प्रदूषण हिन्दू-मुसलमान हो गया, प्रदूषण भारत-पाकिस्तान हो गया। स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी 'आईक्यू-एयर' ने 120 से अधिक शहरों के लाइव डेटा के हवाले से 21 अक्तूबर, 2025 की सुबह दिल्ली को दुनिया का 'सबसे प्रदूषित' शहर घोषित कर दिया। उसके अगले दिन कराची और लाहौर को दुनिया के 5वें और तीसरे सबसे प्रदूषित शहरों में स्थान दिया गया। सीमा पार आवाज़ें उठनी शुरू हुईं, कि भारत के पंजाब-हरियाणा, यहां तक कि दिल्ली से पटाखे फोड़ने और पराली दहन से हमारा जीना दुश्वार हो गया है। भारत को दोष देने वाले पाकिस्तान में पटाखा उद्योग का प्रदूषण फैलाने में कितना योगदान है, उस पर कोई बात नहीं होती। दो महीना पहले 21 अगस्त को पाकिस्तान के कराची शहर में गुरुवार को एक पटाखा गोदाम में हुए विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई, और 30 से ज़्यादा घायल हो गए। कराची को आपूर्ति किए जाने वाले लगभग 50 प्रतिशत पटाखे, ओरंगी टाउन की कच्ची बस्तियों में बनाए जाते हैं। प्रतिबंध के बावजूद चीन से पटाखों की आपूर्ति पाकिस्तान में धड़ल्ले से होती है। यों, पाकिस्तान में विवाह-बर्थडे जैसे उत्सवों ने पटाखों के कारोबार को पाला-पोसा है। मगर, दीवाली की तरह पटाखों का कारोबार शब-ए-बारात के पवित्र अवसर पर तेजी से बढ़ता है। दुर्भाग्यवश, शब-ए-बारात का आगमन तेज विस्फोटों, धमाके की आवाजों का पर्याय बन गया है। पाकिस्तान वाले पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज़ ने गिरफ़्तारी व भारी जुर्माने के साथ 'डंडा और गाजर अभियान' आरम्भ किया। पराली जलाने पर प्रतिबन्ध का उल्लंघन करने वालों पर पांच हज़ार रुपये का जुर्माना। साथ ही प्रलोभन था, नई पीढ़ी की 'सुपर सीडर' मशीनों की पेशकश, जिन पर 65 प्रतिशत की सब्सिडी दी जा रही थी। बावजूद इसके, शकरगढ़, ज़फ़रवाल और नारोवाल की तीन तहसीलों के किसान पराली जलाना जारी रखे हुए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, तलवंडी भंडारन, नोरकोट, अदा सिराज, फ़तेहपुर अफ़गानन और कंवल सहित 12 से ज़्यादा गांवों में पराली जलाने की घटनाएं हुई हैं। देरियांवाला में हुई दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई, और 18 घायल हो गए।

पाकिस्तान में करप्शन बेकाबू है। फ़तेहपुर निवासी मुहम्मद शरीफ और शाहबाज अली ने बताया कि निगरानी करने वाले अधिकारी इन उल्लंघनों को नज़रअंदाज़ करने के लिए 2,000 रुपये प्रति एकड़ की रिश्वत मांग रहे हैं, जिससे किसान बेरोक-टोक पराली जला रहे हैं। पाकिस्तान में उत्सर्जन का 20 फीसद, फसल जलाने के कारण होता है। बाक़ी, ईंट-भट्टा उद्योग, शहर से गांव-देहात तक बेतहाशा गाड़ियां, निर्माण उद्योग की धूल-मिट्टी ने वातावरण का बेड़ा गर्क़ कर रखा है। भारत जैसा ही हाल आप पाकिस्तान में देखेंगे। ठीक है, टेरर फैलाने वाले पाकिस्तान से हम ट्रेड पर बात नहीं कर रहे, लेकिन पर्यावरण पर तो कर सकते हैं?

ऐसी ही समस्या से रूबरू चीन ने, कुछ उपाय किये, जिनमें कोयला आधारित बिजली संयंत्रों पर प्रतिबंध, सड़कों पर कारों की संख्या सीमित करना, और पूरी तरह से इलेक्ट्रिक बसें चलाना शामिल है। चीन ने अपनी कई कोयला खदानें भी बंद कर दीं। चीन ने अपने किसानों को प्रशिक्षित करने का प्रयास किया। उन्हें कन्विंस किया कि फसल जलाने से न केवल वायु प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि मिट्टी के कार्बनिक पदार्थों का ह्रास, लाभकारी मृदा जैव विविधता, और मिट्टी की उर्वरता में 25 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक की कमी आती है, और यह मिट्टी की जल धारण क्षमता को भी कमज़ोर करता है।

भारत से लेकर ब्राज़ील तक, किसानों द्वारा जलाई जाने वाली पराली, धुएं का एक गंभीर स्रोत है। लेकिन, दुनिया के सबसे बड़े अनाज उत्पादक देश होने के नाते चीन की सरकार दशकों से पराली जलाने को कम करने, और उसके उपयोग खोजने की कोशिश कर रही है। जैसे, इसे खेतों में खाद के रूप में गाड़ना, या इसे पशु आहार या जैव ईंधन में संसाधित करना। चीन ने 2018 में अपने राष्ट्रीय वायु प्रदूषण कानून में संशोधन किया। उल्लंघन करने पर 2,000 युआन (भारतीय मुद्रा में एक युआन लगभग साढ़े 12 रुपये) तक का जुर्माना लगाने के लिए प्रोत्साहित करने वाले प्रावधान शामिल किए।

चीन का सुदूर उत्तरी प्रान्त हेलोंगचिआंग ने अन्य प्रांतों के साथ प्रतिबंध की शुरुआत की। प्रांत को एक ग्रिड में विभाजित किया गया था, जिसमें काउंटी-स्तरीय सरकारी कर्मचारी अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में आग को रोकने के लिए ज़िम्मेदार थे। चीन ने किसानों को 2019 में 4 अरब युआन से ज़्यादा की सब्सिडी दी। इस राशि से पराली से बायोमास ईंधन में रूपांतरण करने वाले स्टेशनों को वित्तपोषित करने में मदद मिली।

निष्प्रभावी होते मतांतरण रोधी कानून

सरकार के साथ समाज को भी करने होंगे प्रयत्न

प्रणय कुमार।

राजस्थान सरकार ने छल-बल या प्रलोभन के माध्यम से किए जाने वाले मत परिवर्तन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जो 'धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक' पारित किया था, वह राज्यपाल की स्वीकृति के बाद कानून बन गया है। इस अधिनियम में जबरन या कपटपूर्ण मतांतरण के विरुद्ध अत्यंत कठोर दंडात्मक प्रविधान किए गए हैं।

इस कानून के अनुसार, मतांतरण से जुड़े सभी अपराध गैर-जमानती होंगे, जिनकी सुनवाई सत्र न्यायालय में की जाएगी और आरोपितों को आसानी से जमानत नहीं मिलेगी। मतांतरण का प्रश्न केवल आस्था या व्यक्तिगत स्वतंत्रता का विषय नहीं है, बल्कि यह समाज की एकता, सांस्कृतिक संतुलन और राष्ट्रीय सुरक्षा से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों से छल-बल, प्रलोभन या लालच के माध्यम से मतांतरण कराने के अनेक मामले सामने आए हैं।

भारत जैसे सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध राष्ट्र में इस प्रकार की गतिविधियां न केवल धार्मिक एवं सांस्कृतिक विविधता के लिए चुनौती बनी हुई हैं, बल्कि वे सामाजिक समरसता को भी कमजोर कर रही हैं। इसी पृष्ठभूमि में राजस्थान सरकार ने यह कानून बनाकर संदेश दिया है कि किसी भी प्रकार का जबरन या कपटपूर्ण मत परिवर्तन न तो व्यक्तिगत अधिकारों के नाम पर स्वीकार्य होगा और न ही समाज के हित में सहनीय। भारत में मतांतरण सदियों से पोषित, संरक्षित, सुनियोजित वैश्विक अभियान का हिस्सा है। इस्लाम और ईसाइयत द्वारा संचालित मतांतरण की प्रक्रिया ने भारत की सनातन संस्कृति और दर्शन को उसकी उदारता, सहिष्णुता और सर्वसमावेशी दृष्टिकोण के कारण हमेशा से निशाने पर रखा है।

आज देश का शायद ही कोई राज्य ऐसा हो, जहां मतांतरण के कपटपूर्ण धंधे को संगठित रूप से न चलाया जा रहा हो। मतांतरण में लिप्त लोग दलित, वंचित और भोले-भाले निर्धन समुदायों को अपना शिकार बनाते हैं। जब प्रलोभन से बात नहीं बनती, तो वे छल, कपट, झूठे चमत्कार और मिथ्या धार्मिक एवं जातिवादी विमर्श का सहारा लेते हैं। कोई सेवा और चिकित्सा के नाम पर यह धंधा करता है, तो कोई जन्नत-दोजख के बहाने। स्थिति यहां तक पहुंच चुकी है कि देश के कई क्षेत्रों में मतांतरण ने स्थानीय जनसांख्यिकी और सांस्कृतिक संतुलन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। संपन्न माना जाने वाला पंजाब भी पिछले कुछ समय से मतांतरण कराने वाले पादरियों की सक्रियता का शिकार है।

विशेष आलेख /राशिफल

हर कॉल के बाद झूठा दावा करने वाले ट्रंप से क्या मोदी को आसियान सम्मेलन में मिलना चाहिए?

नीरज कुमार दुबे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ऐसा बयान दिया है जिसने न केवल कूटनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, बल्कि यह भी दिखाया है कि वाशिंगटन की राजनीति में भारत का उल्लेख प्रायः घरेलू उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दीपावली समारोह के दौरान दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि भारत रूस से बहुत अधिक तेल नहीं खरीदेगा। उन्होंने कहा, मोदी ने बताया है कि भारत अब रूस से बहुत ज्यादा तेल नहीं खरीदेगा। वे भी चाहते हैं कि यूक्रेन युद्ध समाप्त हो। वहीं बातचीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप आपके फोन करने और दिवाली की शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद। रोशनी के इस पर्व पर दोनों महान लोकतंत्र दुनिया को आशा की किरण दिखाते रहें और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ एकजुट रहें।''

गौर करने वाली बात यह है कि मोदी और ट्रंप के बीच 16 सितंबर के बाद से फोन पर हुई यह तीसरी बातचीत है जिसकी सार्वजनिक रूप से जानकारी दी गयी है। सार्वजनिक जानकारी में जहां प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसी कोई बात नहीं कही है जिससे यह प्रदर्शित होता हो कि रूसी तेल को लेकर दोनों नेताओं के बीच कोई बातचीत हुई तो वहीं ट्रंप ने अपने बयान में रूसी तेल खरीद को लेकर फिर से अपना पुराना दावा दोहरा दिया है। हम आपको बता दें कि मंगलवार रात को ट्रंप ने दिवाली समारोह का आयोजन किया था जिसमें अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा और कई प्रमुख भारतीय मूल के व्यापारिक नेता शामिल हुए। समारोह में अपने संबोधन में ट्रंप ने फिर से अपना यह दावा दोहराया कि भारत, रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदेगा। देखा जाये तो यह दावा न तो भारत सरकार की किसी आधिकारिक घोषणा में परिलक्षित होता है और न ही वैश्विक तेल बाजार के आँकड़े इसे पुष्ट करते हैं। तेल व्यापार जगत के विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की रूसी तेल खरीद में कोई विशेष कमी नहीं आई है; अधिकांश सौदे पहले से तय अनुबंधों के अंतर्गत चल रहे हैं। देखा जाये तो ट्रंप के इस वक्तव्य के दो प्रमुख पहलू हैं-पहला, यह कि वह आश्वासन का दावा कर रहे हैं, जबकि भारत ने ऐसा कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। दूसरा, ट्रंप ने खुद अपने पहले के दावे को थोड़ा नरम करते हुए कहा कि भारत पूरी तरह नहीं, काफी कम तेल खरीदेगा। यह बदलाव संकेत देता है कि या तो उन्हें पहले गलत जानकारी दी गई थी, या वे जानबूझकर ऐसी बातें करते हैं जो घरेलू राजनीतिक संदेशों के लिए उपयोगी हों।

दूसरी ओर, भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि उसकी ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हित से संचालित होती है और जब तक पश्चिमी प्रतिबंध भारत पर लागू नहीं हैं, वह सस्ते रूसी कच्चे तेल का आयात जारी रखेगा। ऐसे में ट्रंप के बयान का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं दिखता। वैसे यह पहली बार नहीं है जब डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत का हवाला देते हुए भ्रामक या अतिशयोक्तिपूर्ण दावा किया हो। ट्रंप की राजनीति में सुपर डीलमेकर की छवि बनाये रखना आवश्यक है। वह हर अंतरराष्ट्रीय फोन कॉल को एक बड़ी डील के रूप में प्रस्तुत करते हैं ताकि अमेरिकी मतदाताओं को लगे कि वह विश्व मंच पर अमेरिका फर्स्ट नीति को सफल बना रहे हैं। भारत जैसे बड़े लोकतंत्र के साथ मित्रवत संबंध उनके लिए प्रचार का सबसे आसान माध्यम है-क्योंकि यहां का प्रवासी भारतीय समुदाय अमेरिकी चुनावी परिदृश्य में एक प्रभावशाली वर्ग बन चुका है।

उधर, प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह स्थिति नाजुक है। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक संबंध गहरे हो रहे हैं-क्वॉड, इंडो-पैसिफिक और तकनीकी सहयोग जैसे क्षेत्रों में दोनों देश निकटता बढ़ा रहे हैं। लेकिन जब अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार ऐसे फर्ज़ी या अधूरे दावे करते हैं जो भारत की संप्रभु नीति पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, तो दिल्ली की प्रतिक्रिया केवल शालीन मौन तक सीमित नहीं रह सकती। भारत का विदेश मंत्रालय अब तक ट्रंप के बयानों पर नो कमेंट नीति अपनाता आया है, किंतु इससे यह जोखिम रहता है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अमेरिकी दावा धीरे-धीरे स्वीकार्य धारणा बन सकता है। इसीलिए, भारत को स्पष्ट रूप से यह संकेत देना चाहिए कि ऊर्जा नीति या रूस से व्यापार जैसे निर्णय किसी बाहरी दबाव के अधीन नहीं लिए जाते।

क्या कहते है आपके सितारें....?

मेष: भागीदारों के साथ मतभेद होगा। कुछ खास दोस्तों के साथ मुलाकात विशेष आनंददायक नहीं रहेगी। कोर्ट- कचहरी के काम में दिक्कत होने की आशंका है। आर्थिक लाभ और काम में सफलता मिलेगी। बीमारी में राहत महसूस होगी।

वृषभ: बाहर का खाने-पीने के कारण स्वास्थ्य खराब होने की आशंका है। अपने क्रोध को नियंत्रण में रखें, वरना बड़ा नुकसान हो सकता है। पारिवारिक सदस्यों के साथ बखेड़ा खड़ा हो सकता है। नए संबंध तकलीफदायक साबित होंगे।

मिथुन: पैसे की तंगी महसूस होगी। दुर्घटना, ऑपरेशन का योग बन रहा है, इसलिए सावधानी बरतें। ईश्वर भक्ति से राहत महसूस कर सकेंगे। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। सार्वजनिक जीवन में अपयश या स्वाभिमान भंग होने का योग है।

कर्क: आज आप नए काम का आरंभ कर सकेंगे। नौकरीपेशा वालों के लिए आज का दिन शुभ है। उन्हें आय वृद्धि या पदोन्नति का समाचार मिलेगा। सरकारी लाभ मिलेगा। उच्च अधिकारियों का प्रोत्साहन आपका उत्साह बढ़ाएगा।

सिंह: सरकारी काम में बाधा होगी। महत्वपूर्ण कार्य या निर्णय आज स्थगित रखना उचित रहेगा। संतान के साथ मतभेद होगा। विरोधियों से सतर्क रहने की जरूरत है। आज मन का नकारात्मक व्यवहार आपको हताश करेगा।

कन्या: नए काम की शुरुआत आज कर सकते हैं। सगे-संबंधियों तथा मित्रों का आपके यहां आगमन होने से आनंद अनुभव होगा। कहीं यात्रा होने की संभावना है। भाग्य वृद्धि का अवसर मिलेगा। धार्मिक कार्यों में मन लगाएंगे, तो शांति मिलेगी।

तुला: आपका आज का दिन सामाजिक प्रवृत्तियों और मित्रों के साथ दौड़-धूप में व्यतीत होगा। इसके पीछे धन खर्च होने की संभावना है। फिर भी सरकारी कामों में सफलता मिलेगी। आज के दिन बुजुर्गों और पूजनीय व्यक्तियों से

वृश्चिक: अपने अधीनस्थ कर्मचारियों और सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। विरोधियों पर विजय प्राप्त कर सकेंगे। आज आप कल्पना और सृजनशक्ति का उपयोग कर सकेंगे। संतान की प्रगति होगी, जिससे आपका मन खुश रहेगा।

धनु: जमीन, वाहन वगैरह की खरीदारी के दस्तावेज बनवाने में सावधानी रखें। गूढ़ रहस्यमय विद्याएं और आध्यात्मिकता का प्रभाव आप पर विशेष रहेगा। आपका मन शांत और प्रसन्न रहेगा। भाई- बहनों के साथ मेल-जोल बना रहेगा।

मकर: सरकार से लाभ प्राप्त कर सकेंगे। प्रतिकूल संयोग के बनने से आपके कार्य में विलंब होगा। शरीर में ताजगी और मन में उत्साह का अभाव रहेगा। पेट के रोग सताएंगे। नौकरी में अधिकारियों के नकारात्मक व्यवहार से आपको दुख होगा।

कुंभ: आज के दिन आप शारीरिक और मानसिक रूप से भय अनुभव करेंगे। पारिवारिक सदस्यों तथा सगे- संबंधियों के साथ अनबन होने की आशंका है। कोशिश करें कि किसी के साथ विवाद न हो। माता का स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मीन: प्रिय व्यक्ति के साथ की गई मुलाकात रोमांचक रहने की उम्मीद है। तन-मन से ताजगी और स्फूर्ति का अनुभव होगा। अत्यधिक विचारों से मन विचलित रहेगा। आज किसी के साथ बौद्धिक चर्चा या वाद-विवाद हो सकता है।

कल्याणकारी सेवा समिति भीनमाल का दीपावली स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न, नई कार्यकारिणी का गठन

समाज सेवा से जोड़ने जैसी आगामी योजनाओं पर हुई चर्चा

सामाजिक न्याय एवं मानवीय सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे का किया आह्वान

द डेस्प्रिंग

जालोर / युनुस खान । कल्याणकारी सेवा समिति भीनमाल द्वारा दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं कार्यकारिणी बैठक का आयोजन समिति के संस्थापक हैदर अली जादारा की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और सामूहिक दुआ के साथ की

गई। समारोह में उपस्थित समिति सदस्यों ने एक-दूसरे को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर संगठन को और सक्रिय एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में युवा एवं अनुभवी सदस्यों को शामिल किया गया है, ताकि सामाजिक सेवा के कार्यों को और मजबूती मिल सके।

समाज सेवा से जोड़ने जैसी आगामी योजनाओं पर हुई चर्चा

सामाजिक उत्थान, शिक्षा सहयोग, जरूरतमंद परिवारों की सहायता, रक्तदान शिविर , लम्पी स्किन से झूस रहे पशुओं एवं युवाओं को समाज सेवा से जोड़ने जैसी आगामी योजनाओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के उपरांत नवगठित पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया और मिठाई खिलाकर मुंह मीठा करवाया गया। नाश्ते और जलपान की भी व्यवस्था की गई।

सामाजिक न्याय एवं मानवीय सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे का किया आह्वान

इस अवसर पर संस्थापक हैदर अली जादारा ने सभी सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएँ देते हुए संगठन को सामाजिक न्याय और मानवीय सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में

उपस्थित सभी सदस्यों ने समिति के बारे में अपने अपने अनुभव व्यक्त किए। और सभी के उद्देश्यों समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

नवीन कार्यकारणी गठित इनको मिली जिम्मेदारी ली शपथ

अध्यक्ष- दलाराम काबावत, उपाध्यक्ष - मुकेश बंजारा, दीपक हंस, निरमा पंचाल, सचिव - कल्याण सिंह, सांवला राम चौधरी, विक्की राणा , सीमा राणा, बबीता कुमारी,

महासचिव - नरपत बंजारा, चिराग अली , दिनेश जी रांगी, सह सचिव - प्रेमराज, सुरेश तंवर ,कोषाध्यक्ष - दिनेश जयपाल ,संगठन मंत्री - मंगला राम सुथार ,प्रचार मंत्री - लक्ष्मण पंचाल, भरत परमार मीडिया प्रभारी - युनुस खान पत्रकार ,सोशल मीडिया प्रभारी- बलवंत तंवर सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने अपने पद के साथ ही शपथ भी ली की तन मन धन से समर्पित हो कर सेवा का कार्य करेंगे। और कल्याणकारी हमारी है और हम कल्याणकारी को पूर्ण रूप से समर्पित रहेंगे।

जिले के युवाओं में सेवा के प्रति जागृति आई नवनियुक्त अध्यक्ष कबावत

दलाराम काबावत ने कहा कि संगठन में शक्ति होती है और आज कल्याणकारी से जालोर जिले के युवाओं में सेवा के प्रति जागृति आई है। पूर्व में आई लम्पी स्किन जैसी बीमारी में हैदर भाई अकेले ही चले थे फिर उनके सहयोगी मुकेश बंजारा, दीपक हंस, नरपत बंजारा जैसे युवाओं को धन्यवाद है। दीपावली स्नेह मिलन समारोह के बाद हैदर अली जादारा के जन्म दिवस का कार्यक्रम भी रखा गया। कल्याणकारी सेवा समिति की ओर से सभी पधारे हुए मेहमान कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया। ओर नवनियुक्त पदाधिकारीयो को बधाई दी गई।

ग्राम गोपालपुरा के राकेश शर्मा का आरएएस में चयन ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

द डेस्प्रिंग

सुजानगढ़। निकटवर्ती ग्राम गोपालपुरा के राकेश शर्मा के आरएएस में चयन होने पर ग्रामीणों ने पंचायत परिसर में उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर प्रशासक सविता राठी, गणपत दास, डूंगर बालाजी मंदिर ट्रस्ट से महंत तनदास, ठाकुर गुमानसिंह, देवीसिंह राठौड़, प्रिंसिपल केसरी सिंह, सोहनलाल जाट, चतरसिंह, प्रहलाद दर्जी, पप्पू पुनिया, बलबीर सिंह, कैलाश एवं बाबूलाल, त्रिलोक मेघवाल, विष्णु सोनी, तिलोकाराम, नरेंद्र सिंह, भींवाराम सारण, गौतम सिंह, दीपचंद गिलड़ा, भवानी शंकर बूगालिया, धन्नाराम मेघवाल, सुआ कंवर, उषा, जगदीश स्वामी और नीरज स्वामी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने साफा, माला, शाल और तस्वीर भेंट कर राकेश शर्मा का सम्मान किया।कार्यक्रम से पूर्व राकेश शर्मा के घर से डीजे के साथ नाचते-गाते ग्रामीणों ने गांव में जगह-जगह घनश्याम लाहोटी, बजरंग लाहोटी, बजरंग कुदाल, जुगल राठी और दामोदर शर्मा ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। राकेश शर्मा के पिता कुलदीप शर्मा और माता चंद्रकला शर्मा का भी

साफा व शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।इस अवसर पर एसआई बने मनफूल मेघवाल, मेजर डॉ. अक्षय राठी, राजकमल (आईएम टॉपर), सीए महेश गिलड़ा और अन्य प्रतिभाओं का भी सम्मान किया गया।

प्रशासक सविता राठी ने कहा कि "प्रतिभाओं का सम्मान करना हमारा फर्ज है, लेकिन यह प्रतिभाएं भावी पीढ़ी को प्रेरित करने का भी संकल्प लें।"कार्यक्रम में सम्मानित होने पर राकेश शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

भीमराव अंबेडकर बारे में गलत बोलने पर.भीम आर्मी ने दिया ज्ञापन F.i.R. लगाकर कार्रवाई की मांग

द डेस्प्रिंग

रामगढ़ अलवर । आज भीम आर्मी एकता मिशन के द्वारा डॉ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने के खिलाफ भीम आर्मी ने एक ज्ञापन अलवर एसपी के नाम. डीएसपी सुनील कुमार शर्मा को दिया ज्ञापन में सरेआम सोशल मीडिया पर अपमानित पोस्ट में बाबा साहब के विषय में गलत अभत भाषा मैं पोस्ट शेर की पोस्ट शेयर करने वाला स्कीम नंबर 1. अलवर के डॉक्टर दीपक गुप्ता की फेसबुक आईडी में शेर की गई जिसमें बाबा साहब को बलात्कारी शब्दों से अपमानित किया जिसे पूरे समाज में आक्रोश है वह भीम आर्मी भारत एकता मिशन एम समस्त

सामाजिक संगठन इसकी और से निंदा की गई इस संबंध में डॉक्टर दीपक गुप्ता एव उनके फेसबुक से जुड़े सुधांशु शास्त्री के खिलाफ F.i.R दर्ज कर उचित कार्रवाई करने की मांग की उनके खिलाफ देशद्रोह मानहानि जैसी संबंधित धाराएं लगाई जाए मुकदमा दर्ज किया जाए. इस अवसर पर एडवोकेट नवल सिंह भीम आर्मी प्रदेश महासचिव राजस्थान. भीम आर्मी जिला अध्यक्ष राम निवास बरवाड़ा अलवर. रवि कुमार वर्मा भीम आर्मी जिला उपाध्यक्ष. कमल किशोर अध्यक्ष रामगढ़. पवन कुमार. आदि भीम आर्मी कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन दिया. रिपोर्ट अमित भारद्वाज रामगढ़ अलवर राजस्थान

ओउमाश्रय सेवा धाम में आज भावनात्मक सहयोग और शुभकामनाओं का रहा दिन

द डेस्प्रिंग

जयपुर। ओउमाश्रय सेवा धाम में आज का दिन भावनाओं, सहयोग और शुभकामनाओं से परिपूर्ण रहा। राजस्थान ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध निदेशक रहे मुकेश चंद बंसल (अरोदा वाले, बयाना) एवं श्रीमति ममता बंसल ने प्रभुजनों के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए हो नींबू के अचार के दो बड़े तथा एक छोटा डिब्बा भिजवाया। इससे पूर्व वे नींबू और आंवले का अचार भी ओउमाश्रय को भिजवा चुके हैं। वे अपने मित्र रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी अनिल कुमार (शिक्षाविद शिवचरण गुप्ता के सुपुत्र) एवं श्रीमति सुमन (पूर्वी राजस्थान के आध्यात्मिक प्रेरणा स्तम्भ स्वामी सत्यानंद जी के पुत्र स्व. यज्ञ मुनि, बयाना वालों की दोहिती) की प्रेरणा से ओउमाश्रय सेवा धाम के आजीवन सदस्य भी बने हैं।

ओउमाश्रय परिवार की ओर से बंसल दंपत्ति को हार्दिक धन्यवाद और शुभकामनाएं दी गई

इसी क्रम में, ओउमाश्रय सेवा धाम के प्रति गहरा भावनात्मक लगाव रखने वाले एडवोकेट पुष्पेन्द्र सिंह को उनके जन्मदिन पर ओउमाश्रय परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं और ईश्वर से उनके स्वस्थ, प्रसन्न एवं आनंदमय जीवन की कामना की गई।
उन्होंने इस अवसर पर रू.1100 की भेंट अर्पित की, जिसके लिए ओउमाश्रय परिवार ने उन्हें आभार और शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

अमूल दूध सागर नैशनल डेयरी द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

द डेस्प्रिंग

सीकर। श्रीमाधोपुर के ग्राम पंचायत महरौली स्थित दूध उत्पादक समिति महरौली में अमूल दूध सागर नैशनल डेयरी की ओर से कल्याणकारी बीमा योजना एवं दूध उत्पादकों को बोनस वितरण कार्यक्रम के तहत एक ग्रामीण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान दो माह पूर्व दुर्घटना में दिवंगत हुए दूध उत्पादक राजेंद्र कुमार कुमावत (आयु 43 वर्ष) की पत्नी केसर देवी को बीमा योजना के तहत 5 लाख रूपये का चेक सौंपा गया। यह चेक अमूल दूध सागर के हेड नरेंद्र सिंह चौधरी, राजस्थान हेड रामेश्वर गुप्ता, ग्रुप हेड इमरान खान तथा बीमा कंपनी के प्रतिनिधि अमर सिंह चौधरी द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर नरेंद्र सिंह चौधरी ने किसानों को पशुपालन की सही देखभाल, पशुओं के संतुलित आहार, एवं विभिन्न सरकारी तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। वहीं अमर सिंह चौधरी ने बीमा योजना के लाभों एवं प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यक्रम में उपसरपंच जीतू सिंह शेखावत, रमेश कुमार कुमावत, प्रहलाद राय कुमावत, अमूल दूध सागर डेयरी के सुपरवाइजर बाबू चौधरी, हंसराज शर्मा सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

धान तौल पर मनमानी का आरोप, भड़के किसान

मंडी में दिया धरना, आरएफसी ने दिया आश्वासन

द डेस्प्रिंग

सितारगंज (दीपक भारद्वाज)। कृषि उत्पादन मंडी समिति में किसानों की धान तौल नहीं होने पर हंगामा हो गया। गुस्साए किसानों ने कांग्रेसी नेता नवतेज पाल सिंह गुरसेवक मेहर और किसान नेताओं के साथ धरना शुरू कर दिया। उन्होंने मनमानी का आरोप लगाया। इसके बाद एसएसआई विक्रम धामी, एसएमओ, मंडी सचिव विनोद पलड़िया आदि ने किसानों से वार्ता की और आरएफसी के आश्वासन पर किसान तौल को राजी हुए। जिसके बाद किसानों का धान तौल गया। कृषि उत्पादन मंडी समिति में किसान की फसल को कच्चे आढ़ती खरीदते हैं। शुक्रवार को धान तौल को लेकर किसानों ने मनमानी का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रैक्टर

ट्रालियों में धान भरा हुआ है। लेकिन तौला नहीं जा रहा। जिससे किसानों के ऊपर किराया चल रहा है। कांग्रेस के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी नवतेज पाल सिंह ने आरोप लगाया कि आढ़ती मनमानी कर रहे हैं। कृषकों के साथ अवैध कटौती हो रही है। किसानों की धान की ट्राली खड़ी है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसानों का अहित नहीं होने दिया जाएगा। समर्थन मूल्य और कटौती पर होने पर विरोध किया जाएगा। इस दौरान तहसीलदार हिमांशु जोशी भी मौके पर थे। किसानों के कड़ा रुख को देखते हुए आरएफसी ने नवतेजपाल सिंह से वार्ता की। उन्होंने किसानों को सुविधाजनक खरीद का भरोसा दिलाया। इसके बाद किसानों ने कहा कि रोजाना 100 से अधिक ट्राली का धान तौल जाए। इस मौके पर प्रधान दिलबाग सिंह, अमृतपाल सिंह मान, अमरजीत सिंह, कुलदीप सिंह, अनिरुद्ध राय शिव शंकर यादव आदि मौजूदथे।

गर्भ संस्कार जीवन की प्रथम शिक्षा – आचार्य प्रज्ञासागर महाराज

प्रज्ञालोक में सम्पन्न हुई गर्भ संस्कार विधि, दंपतियों ने लिया आशीर्वाद

द डेस्प्रिंग

कोटा। "गर्भकाल में माता-पिता के आचार-विचार, रहन-सहन और भावनाओं का प्रभाव गर्भस्थ शिशु के संस्कारों और व्यक्तित्व निर्माण पर गहराई से पड़ता है।" – यह प्रेरक विचार तपोभूमि प्रणेता, व्याख्यान वाचस्पति, परम पूज्य आचार्य 108 श्री प्रज्ञासागर जी महाराज ने महावीर नगर प्रथम स्थित प्रज्ञालोक में आयोजित गर्भ संस्कार विधि कार्यक्रम में व्यक्त किए।कार्यक्रम में दंपतियों को विशेष रूप से महिलाएं हरी साड़ी एवं सफेद कुर्ता-पायजामा में शामिल हुए।

आचार्यश्री ने महाभारत के अभिमन्यु का उदाहरण देते हुए कहा कि "गर्भस्थ अवस्था में ही ज्ञानार्जन की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाती है। अभिमन्यु ने गर्भ में चक्रव्यूह भेदन की विद्या सीखी थी, जो इस तथ्य को प्रमाणित करती है कि गर्भ संस्कार का जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है।"

आचार्यश्री ने यह भी कहा कि "शुद्ध विचार, सात्विक भोजन और संयमित जीवन ही वह साधन हैं, जो मातृत्व को पवित्रता और संतान को संस्कारित जीवन की दिशा देते हैं।"उन्होने कहा? कि उद्देश्य गर्भ में आने वाली आत्मा के लिए शुद्ध और संस्कारित वातावरण प्रदान करना है, जिससे सन्तान शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ और गुणी हो सके।

गर्भ संस्कार विधि कार्यक्रम का आयोजन गुरु आस्था परिवार कोटा द्वारा किया गया, जिसमें दंपतियों ने आचार्यश्री के ससंघ सान्निध्य में विधि-विधानपूर्वक सहभागिता की। आयोजन में दिगंबर जैन समाज महावीर नगर प्रथम तथा श्री सकल दिगंबर जैन समाज समिति, कोटा ने सहयोग प्रदान किया।

सितारगंज में कच्चे आढ़तियों द्वारा धान नहीं खरीदने से नाराज किसानों ने मण्डी गेट पर ताले जड़ दिए

मण्डी में आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई

किसानों ने धान खरीद नहीं होने पर मुख्य चौक पर प्रदर्शन की चेतावनी दी

द डेस्प्रिंग

सितारगंज, (दीपक भारद्वाज) । सितारगंज में कच्चे आढ़तियों द्वारा धान नहीं खरीदने से नाराज किसानों ने शुक्रवार को मण्डी गेट पर ताले जड़ दिए। साथ ही धरने पर बैठ गए। इससे मण्डी में आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। मण्डी में करीब 200 ट्रैक्टर ट्रॉलियां खड़ी हैं। किसानों ने धान खरीद नहीं होने पर मुख्य चौक पर प्रदर्शन की चेतावनी दी है। शुक्रवार को मण्डी में पंजीकृत 35 कच्चे आढ़ती धान खरीदने आए, लेकिन किसानों के अनुसार केवल 60 ट्रॉलियों का धान खरीदकर आढ़ती वापस लौट गए। करीब 200 किसान ट्रॉलियों का तौल होने का इंतजार करते रहे। किसानों ने आरोप लगाया कि दीपावली के कारण पिछले चार दिन तौल नहीं हुई।

दोपहर बाद आढ़तियों के लौट जाने पर आक्रोशित किसान

मण्डी गेट पर धरने में बैठ गए और मण्डी का दरवाजा बंद कर दिया। किसानों ने चेतावनी दी कि अगर उनकी समस्या नहीं सुनी गई तो वे धान की ट्रॉलियां मुख्य चौक पर फेंक देंगे। किसानों का कहना है कि सरकार ने कच्चे आढ़तियों को एमएसपी पर धान खरीदने का लाइसेंस दिया है और तुलवाई व ट्रांसपोर्टेशन का खर्च भी सरकार देती है, फिर भी आढ़ती धान नहीं खरीद रहे हैं। किसान नेता गुरसेवक सिंह मोहार, नवतेज पाल सिंह और दिलबाग सिंह ने मौके पर मौजूद तहसीलदार हिमांशु जोशी, एसएमओ विनय चौधरी, मण्डी सचिव विनोद पलड़िया और एसएसआई विक्रम सिंह धामी को बताया कि 35

आढ़तियों को रोजाना 14,000 कुंतल धान खरीदने का लक्ष्य मिला है, लेकिन आढ़ती केवल चार हजार कुंतल धान खरीद रहे हैं। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि उनका धान औने-पौने दामों में खरीदा जा रहा है और यूपी का सस्ता धान पोर्टल में डाल दिया जा रहा है। वहीं कच्चे आढ़तियों ने शनिवार से धान नहीं खरीदने का पत्र एसएमओ व मण्डी सचिव को भेजा। सायं पांच बजे अधिकारियों से वार्ता के बाद किसानों को बताया गया कि शनिवार को आरएमओ लता मिश्रा सितारगंज पहुंचेंगी। इसके बाद किसानों ने सड़क पर धान फेंकने का फैसला स्थगित किया। सितारगंज के आरएफसी क्रय केंद्र में दो अतिरिक्त तौल कांटे की मंजूरी आरएफसी सीएस मर्तोलिया ने वरिष्ठ विपणन अधिकारी की मांग पर सितारगंज के धान क्रय केंद्र प्रथम और द्वितीय में एक-एक अतिरिक्त तौल कांटा अस्थायी रूप से संचालित करने की अनुमति दी है। दोनों अतिरिक्त कांटों में चार-चार हजार कुंतल धान क्रय का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब आरएफसी के छह कांटों में रोजाना तौल होगी। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया कि प्रत्येक कांटे पर रोजाना 400 कुंतल की तौल होती है। दो अतिरिक्त कांटों से रोजाना 800 कुंतल की अतिरिक्त तौल संभव होगी। पहले चार कांटों में 1600 कुंतल तौल होती थी, जो अब बढ़कर 2400 कुंतल हो गई है।

स्वच्छता और स्वास्थ्य के संकल्प संग दौड़ी एसएसबी 57 वीं वाहिनी में 'फिट इंडिया फ्रीडम रन 6.0' का भव्य आयोजन, जवानों ने दिया फिटनेस और स्वच्छता का संदेश

द डेस्प्रिंग

सितारगंज:(दीपक भारद्वाज) ।"स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत" के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 57 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, सितारगंज में फिट इंडिया फ्रीडम रन 6.0 का भव्य आयोजन किया गया। कमांडेंट मनोहर लाल के कुशल निर्देशन में वाहिनी मुख्यालय के साथ-साथ सभी सीमा चौकियों पर एक साथ यह दौड़ आयोजित की गई, जिसमें जवानों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। इस वर्ष का थीम स्वच्छता एवं स्वास्थ्य रखा गया है, जिसके तहत देशभर में यह अभियान 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है।कार्यक्रम के दौरान जवानों ने अपने मोबाइल फ़ोन में फिट इंडिया ऐप स्थापित कर दौड़ में सक्रिय रूप से भाग लिया और फिटनेस के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कमांडेंट मनोहर लाल ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि "फिट इंडिया रन" केवल एक दौड़ नहीं बल्कि एक जन आंदोलन है, जो हमें शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वच्छ परिवेश ही सशक्त राष्ट्र की

नींव हैं, और यह अभियान हमें उसी दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाता है।उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया फिट इंडिया मूवमेंट आज एक राष्ट्रीय चेतना का रूप ले चुका है, और इसका उद्देश्य हर नागरिक को अपने दैनिक जीवन में फिटनेस को शामिल करने की प्रेरणा देना है। कार्यक्रम के दौरान जवानों ने "स्वच्छता ही सेवा है" के नारे लगाते हुए दौड़ लगाई और पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर उप कमांडेंट श्री दीपक सिंह जायाड़ा, श्री अनिल कुमार यादव, उप निरीक्षक महिपाल सिंह, सहायक उप निरीक्षक हिरा सिंह, रविन्द्र कुमार अधिकारी, राजू कुमार सिंह, ऋषयानन्द पाण्डेय, ज्योति शंकर पटेल, ईश्वर दयाल सहित बड़ी संख्या में जवानों ने भाग लिया। पूरे आयोजन स्थल पर देशभक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने यह संकल्प लिया कि वे स्वयं को फिट रखेंगे और दूसरों को भी फिटनेस एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे।

भारतीय नौसेना को मिला ताकतवर युद्धपोत 'माहे'

● दुश्मन की पनडुब्बियों को कर देगा खत्म, बेहद है खास

कोच्चि (एजेंसी)। भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) ने भारतीय नौसेना को 'माहे' नामक पहला स्वदेशी एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी) सौंप दिया है। यह युद्धपोत आठ ऐसे जहाजों की सीरीज का पहला जहाज है, जो पूरी तरह से स्वदेशी डिजाइन और निर्माण पर आधारित है। इस डिलीवरी ने नौसेना की तटीय जलक्षेत्रों में पनडुब्बी-रोधी क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डिलीवरी समारोह बुधवार को कोच्चि में आयोजित किया गया। स्वीकृति दस्तावेज पर सीएसएल के निदेशक (ऑपरेशंस) डॉ. एस. हरिकृष्णन और माहे के कमांडिंग ऑफीसर (डिजाइनेट) कमांडर अमित चंद्रा चौबे ने हस्ताक्षर किए। समारोह में वेस्टर्न नेवल कमांड के चीफ स्टाफ ऑफीसर (टेक्निकल) रियर एडमिरल आर. अधिश्रीनिवासन, कोच्चि के वारशिप प्रोडक्शन सुपरिंटेंडेंट कमोडोर अनुप मेनन सहित नौसेना और शिपयार्ड के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सीएसएल के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह जहाज डेट नोर्स्के वेरिटास

(डीएनवी) के वर्गीकरण नियमों के अनुसार डिजाइन और निर्मित किया गया है। यह नौसेना का सबसे बड़ा युद्धपोत है जो डीजल इंजन और वाटरजेट प्रोपल्शन सिस्टम से संचालित होता है, जो उथले जल में गति, चपलता और परिचालन लचीलापन प्रदान करता है। आईएनएस माहे की लंबाई 78 मीटर है और यह उथले जलक्षेत्रों में एंटी-सबमरीन ऑपरेशंस, माइन-लेइंग, खोज एवं बचाव कार्यों तथा कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है। जहाज में आधुनिक सेंसर, एडवांस संचार प्रणालियां और कम साउंड सिग्नेचर वाली तकनीकें लगाई गई हैं, जो पनडुब्बी शिकार में प्रभावी साबित होंगी। इससे नौसेना की तटीय सुरक्षा और एंटी-सबमरीन वारफेयर क्षमताएं काफी मजबूत होंगी। सरकारी आत्मनिर्भर भारत अभियान के अनुरूप, इस युद्धपोत में 90 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। अधिकांश सामग्री, मशीनरी, सेंसर और ऑनबोर्ड सिस्टम भारतीय निर्माताओं से प्राप्त किए गए हैं, जो देश की रक्षा औद्योगिक क्षमता की परिपक्वता को दर्शाता है। सीएसएल के प्रवक्ता ने कहा, माहे की डिलीवरी भारतीय नौसेना के स्वदेशीकरण प्रयासों में एक और मील का पत्थर है।

उमा भारती खत्म करेंगी राजनीतिक एकांतवास!

● पर रख दी है झांसी वाली शर्त, यूपी में चर्चे शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा की दिग्गज नेत्री और मध्य प्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती क्या अपना राजनीतिक एकांतवास खत्म करने वाली हैं। इसकी चर्चा भाजपा में जोरों पर है क्योंकि उन्होंने खुद कहा है कि वह 2029 का लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। उनका कहना है कि झांसी मेरी है और मैं यहीं से लोकसभा का चुनाव लड़ना चाहती हूं। उमा

भारती ने खुद ही राजनीति से दूरी बना ली थी और अन्य चीजों को प्राथमिकता बताया था। लेकिन अब खुद ही वह अपना राजनीतिक एकांत खत्म करती दिख रही हैं। उनके बयान से यूपी में चर्चा भी है और फिलहाल झांसी और उसके आसपास के इलाके में हलचल तेज है। वह पहले भी झांसी, महोबा जैसे इलाकों में सक्रिय रही हैं। उमा भारती लोधी समाज से आती हैं और इस बिरादरी की झांसी एवं उसके आसपास के इलाकों में काफी अच्छी है। पश्चिम यूपी, पूर्वी यूपी से लेकर बुंदेलखंड तक में लोधी समाज की अच्छी खासी आबादी है। कल्याण सिंह इस वर्ग के नेता हुआ करते थे।

पहले विदेश मंत्री को भेजा, अब खुद आने की तैयारी!

● बहुत जल्द भारत दौरा कर सकते हैं कनाडाई पीएम कार्नी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कनाडा के संबंधों में आई गर्मजोशी के बीच कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी फरवरी 2026 में भारत का दौरा कर सकते हैं। माना जा रहा है कि यह यात्रा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) एक्शन समिट में भाग लेने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ताओं के लिए होगी। भारतीय उच्चायुक्त दिनेश कुमार

पाटनायक ने कनाडा के प्रमुख अखबार द ग्लोब एंड मेल को दिए इंटरव्यू में इसकी पुष्टि की है, जो दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी को नई गति देने का संकेत देता है। जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल के दौरान तनावग्रस्त रहे भारत-कनाडा संबंध मार्च 2025 में मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं। जून 2025 में कनाडा के कैननास्किस में दोनों नेता मिले थे।

'अबकी बार मोदी सरकार' लिखने वाले पीयूष पांडे नहीं रहे

● हमारा बजाज, कुछ खास है जिंदगी में और दो बूंदें जिंदगी की से मशहूर हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। एड गुरु पद्मश्री पीयूष पांडे का गुरुवार को निधन हो गया। जानकारी आज सामने आई है। 70 साल की उम्र में मुंबई में उन्होंने अंतिम सांस ली। पीयूष ने अबकी बार मोदी सरकार नारा लिखा था। इसके अलावा, मिले सुर मेरा तुम्हारा गाना लिखा था। पीयूष पांडे की मौत के कारणों का पता

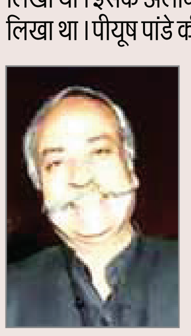

नहीं चल पाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे शरीर में संक्रमण से जूझ रहे थे। अंतिम संस्कार मुंबई में किया गया। पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम ने एक्स पर लिखा, पीयूष पांडे क्रिएटिविटी के लिए जाने जाते थे। एडवर्टाइजिंग की दुनिया में उन्होंने शानदार योगदान दिया। मैं उनके साथ हुई बातचीत को सालों तक संजोकर रखूंगा। उनके दुनिया से जाने से बहुत दुखी हूं। उनके परिजन के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। पीयूष 27 साल की उम्र में विज्ञापन जगत से जुड़ गए थे। उन्होंने शुरुआत अपने भाई प्रसून पांडे के साथ की। दोनों ने रेडियो जिंगल्स की आवाज दी थी।

आंध्रप्रदेश में चलती बस में आग, 20 जिंदा जले

बाइक टकराकर बस के फ्यूल टैंक में फंसी, इससे आग लगी, 40 यात्री सवार थे

कुर्नूल (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कुर्नूल में चिन्नाटेकुर के पास एक प्राइवेट बस में आग लग गई। न्यूज एजेंसी के मुताबिक हादसे में 20 यात्री जिंदा जल गए। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह आंकड़ा 25 है। कुर्नूल कलेक्टर के मुताबिक घटना शुक्रवार सुबह लगभग 3.30 बजे हुई। अब तक 11 शवों की पहचान हो गई है, 9 के बारे में पता नहीं चल पाया है। बस हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही थी। एनएच-44 पर बाइक में टक्कर हुई। बाइक बस के नीचे घुस गई और फ्यूल टैंक से टकरा गई। इससे बस में तुरंत आग लग गई। हादसे में बाइक सवार शिवशंकर की भी मौत हो गई। बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। इनमें से कई जल गए। 19 ने कूदकर जान बचाई। इमरजेंसी गेट तोड़कर निकले लोग बुरी तरह झुलस गए थे।

आग लगी, शॉर्ट सर्किट हुआ और दरवाजा नहीं खुला

कुर्नूल रेंज के आईजी कोया प्रवीण ने न्यूज एजेंसी को बताया कि बस में सवार 2 बच्चों समेत 21 यात्री बाल-बाल बच गए। ड्राइवर-क्लीनर की कोई जानकारी नहीं मिली है। ज्यादातर लोग 25 से 35 साल के थे। हादसे के वक्त यात्री सो रहे थे,

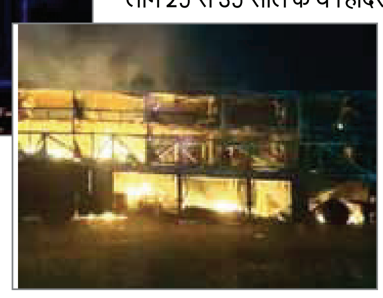

जिससे उन्हें बचने का मौका नहीं मिला। आग लगने के बाद बस में शॉर्ट सर्किट हुआ। इससे बस का दरवाजा भी जाम हो गया। शीशे तोड़ने के लिए कोई सेफ्टी हैमर नहीं थे। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा-कुर्नूल का हादसा दुखद है। मेरी संवेदनाएं मृतकों के परिवार के साथ है। पीएमओ ने मृतकों के परिवार के लिए 2 लाख और घायलों को 50 हजार दिए जाने का ऐलान किया है। जाएगी। तेलंगाना सरकार ने मारे गए लोगों के परिजन को 5 लाख और घायलों को 2 लाख की सहायता का ऐलान किया है।

सुरक्षा परिषद का एक सदस्य आतंकी संगठनों का हितैषी

जयशंकर ने पहलगाम अटैक का जिक्र कर यूएन की विश्वसनीयता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र की आतंकवाद के प्रति प्रतिक्रिया पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जब सुरक्षा परिषद का एक सदस्य खुलेआम उस संगठन की रक्षा करता है जो पहलगाम जैसे बर्बर आतंकी हमलों की जिम्मेदारी लेता है, तो इससे बहुपक्षवाद की विश्वसनीयता पर गहरा असर पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और अपराधियों को एक ही श्रेणी में रखना दुनिया को और अधिक निंदनीय बना देता है। जब खुद को आतंकवादी कहने वालों को प्रतिबंधों से बचाया जाता है, तो इसमें शामिल लोगों की ईमानदारी पर सवाल उठता है। जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने के लिए आतंकवाद के प्रति उसकी प्रतिक्रिया एक बड़ा उदाहरण है। उन्होंने चिंता जताई कि सुरक्षा परिषद का एक स्थायी

सदस्य खुले तौर पर उन संगठनों का बचाव करता है जो पहलगाम जैसे भयानक आतंकवादी हमलों की जिम्मेदारी लेते हैं। यह बहुपक्षवाद की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाता है।

उत्तराखंड में सफर महंगा, बाहरी वाहनों पर लगेगा ग्रीन टैक्स

● 24 घंटे के लिए होगा मान्य, 150 करोड़ की कमाई करेगी सरकार

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में सफर करना अब महंगा होने वाला है। राज्य सरकार बाहर से आने वाली गाड़ियों से ग्रीन टैक्स वसूल करने की तैयारी में है। अब तक यह शुल्क सिर्फ कॉमर्शियल गाड़ियों पर लागू था, लेकिन जल्द ही सरकार निजी कार, जीप और अन्य चार पहिया गाड़ी को इसके दायरे में लाने वाली है। इससे सरकार को सालाना 150 करोड़ रुपए आय होने की उम्मीद है। इस पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और आधुनिक बनाने के लिए परिवहन विभाग ने एक निजी कंपनी से करार किया है, जो राज्य की सीमाओं पर लगे 15 ऑटोमेटेड नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरों के जरिए बाहर से आने वाले गाड़ियों की पहचान करेंगी। ग्रीन टैक्स एक ऐसा कर है जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर लगाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के लिए प्रोत्साहित करना है।

अब बिहार को लालटेन और उसके साथी नहीं चाहिए

● पीएम मोदी का महागठबंधन पर वार, बोले-झुकेगा नहीं बिहार

समस्तीपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिहार को अब लालटेन और उसके साथी नहीं चाहिए और आप झुकेगा नहीं बिहार। इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में भी नीतिश कुमार के नेतृत्व में एनडीए जीत

के अपने पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ने वाला है। इन चुनावों में बिहार एनडीए को अब तक का सबसे बड़ा जनादेश देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को बिहार दौरे पर समस्तीपुर में विशाल और ऐतिहासिक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मौके पर मुख्यमंत्री नीतिश कुमार और कई केंद्रीय मंत्री भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर की धरती समस्तीपुर में मेरे परिवारजनों का अपार उत्साह साफ बता रहा है कि इस बार बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनने जा रही है।

● **नई रफ्तार से चलेगा बिहार, जब फिर आएगी एनडीए सरकार-** पीएम मोदी ने कहा- इस समय आप जीएसटी बचत उत्सव का भी खूब आनंद ले रहे हैं और कल से छठी मईया का महापर्व भी शुरू होने जा रहा है। ऐसे व्यस्त समय में भी आप इतनी विशाल संख्या में यहां आए हैं, समस्तीपुर का जो ये माहौल है, मिथिला का जो मूड है उसने पक्का कर दिया है- नई रफ्तार से चलेगा बिहार, जब फिर आएगी एनडीए सरकार। उन्होंने कहा- लोकतंत्र के महापर्व का बिगुल बन चुका है और पूरा बिहार कह रहा है। फिर एक बार एनडीए सरकार, फिर एक बार सुशासन सरकार, जंगलराज वालों को दूर रखेगा बिहार। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर को उनके पैतृक गांव कर्पूरी ग्राम (समस्तीपुर) में श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री के साथ मुख्यमंत्री नीतिश कुमार, केंद्रीय मंत्री और कर्पूरी ठाकुर के पुत्र रामनाथ ठाकुर सहित कई अन्य नेता भी मौजूद थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने दिवंगत नेता के परिजनों से मुलाकात भी की।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत पर टीटीपी का कब्जा!

● घुसने से भी डर रही जिहादी मुनीर की पंजाबी सेना, डूरंड लाइन खत्म

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना और टीटीपी आतंकियों के लिए अफगानिस्तान से सटा खैबर पख्तूनख्वा प्रांत जंग का मैदान बन गया है। पाकिस्तानी सेना बहुत तेजी से खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कई जिलों से अपनी पकड़ खोती जा रही है। इस इलाके पर अब तहरीक-ए-तालिबान यानि टीटीपी और उसके सहयोगी गुटों के आतंकियों ने अपनी पकड़ काफी मजबूत कर लिया है। खुफिया सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच मौजूद सीमा रेखा डूरंड लाइन खासकर खैबर, कुर्रम, उत्तरी और दक्षिणी वजीरिस्तान तथा बाजौर तक जाने से भी पाकिस्तानी सेना डर रही है। इन इलाकों पर प्रभावी तरीके से टीटीपी का कंट्रोल हो गया

है। रिपोर्ट के मुताबिक टीटीपी के आतंकियों ने खैबर प्रांत के कबायली जिलों के रास्ते में कई जगहों पर चेकप्वाइंट बना लिया है और उन्हें रोकने में पाकिस्तानी सेना बुरी तरह से फेल साबित हो रही है। इसमें पेशावर- खैबर रोड, हांगू-कुर्रम कॉरिडोर, बन्नू-डेरा इस्माइल खान रास्ता जो वजीरिस्तान को जाता है, शामिल है। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि टीटीपी के आतंकी खुलेआम वाहनों की जांच कर रहे हैं और लोगों के पहचान पत्र को देख रहे हैं। इसके अलावा वे जिहाद के लिए चंदा भी जमा कर रहे हैं। यही नहीं टीटीपी के मीडिया विंग ने वीडियो जारी करके दिखाया है कि कैसे उसके लड़ाके इन चेकपोस्ट पर तैनात हैं और खुलकर जांच कर रहे हैं। इसके जरिए टीटीपी के आतंकी अपने कंट्रोल को दिखा रहे हैं और पाकिस्तानी सरकार को चुनौती दे रहे हैं। टीटीपी के एक आतंकी कमांडर ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख को खैबर पख्तूनख्वा आने के लिए चुनौती दी है। उसने कहा है कि अगर असीम मुनीर मर्द हैं और मां का दूध पिया है तो वह खैबर आकर दिखाएं। खुफिया सूत्रों ने चेतावनी दी है कि टीटीपी के आतंकियों ने अपने परंपरागत ग्रामीण इलाके से बाहर निकलकर पेशावर के शहरी इलाकों में अपने अभियान चलाने शुरू कर दिए हैं। टीटीपी के आतंकी अब बडाबेर, मत्तानी और बोरा रोड कॉरिडोर पर पहुंच गए हैं जो अब तक पाकिस्तानी सेना के कब्जे में था।

टीटीपी को सपोर्ट कर रहे पाकिस्तानी कबायली

तहरीक-ए-तालिबान के आतंकी अपना प्रशासनिक ढांचा खड़ा कर रहे हैं और ठीक वही रणनीति अपना रहे हैं जो तालिबान ने अफगानिस्तान पर अपने कब्जे के लिए अपनाई थी। इसके तहत वे पहले ग्रामीण इलाके पर कब्जा कर रहे हैं और फिर शहरों की ओर बढ़ रहे हैं। हालत यह है कि पाकिस्तानी सैनिक घने कबायली इलाके में तैनाती से भाग रहे हैं। इसके पीछे वजह यह है कि टीटीपी के हमले में बहुत बड़ी तादाद में पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। यही नहीं स्थानीय कबायली टीटीपी का खुलकर सपोर्ट करते हैं। पंजाबी मूल के सैनिक वहां जाने से भी डर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि खैबर पख्तूनख्वा की चुनौती पाकिस्तानी सेना के लिए सबसे बड़ी बन गई है।

सान्या मल्होत्रा ने दिखाया सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का फनसाइड

अभिनेत्री और स्टार परफॉर्मर सान्या मल्होत्रा ने फैंस को पर्दे के पीछे की वह मस्ती दिखाई है, जिसकी हमें ज़रूरत तो थी, लेकिन हमने सोची नहीं थी! हाल ही में उन्होंने सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के सेट से एक मज़ेदार बीटीएस मोमेंट्स शेयर की है, और यह फैन्स के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। हंसी–मज़ाक से भरे ब्रेक्स से लेकर अनपेक्षित और सच्चे पलों तक, सान्या की (बिहाइंड द सीन्स) फोटोज़ और वीडियोज़ का ये करूसल फिल्म की स्टारकास्ट के बीच की गर्मजोशी और दोस्ती को बखूबी दर्शाता है। चाहे वो एक छोटा सा मज़ाक हो, शूटिंग के दौरान हुई किसी गलती पर साझा हँसी, या एक–दूसरे के प्रति सच्चा सम्मान, हर पल में सब के बीच की दोस्ती साफ़ दिखाई देती है। सान्या की ऊर्जा पूरे माहौल को हल्का और खुशनुमा बना देती है, जिससे लंबे शूटिंग शेड्यूल भी आसान लगते हैं। फैंस ने कमेंट सेक्शन में तुरंत प्रतिक्रिया की बाढ़ ला दी — सभी को पर्दे के पीछे की ये झलकियाँ बेहद पसंद आईं। यह याद दिलाने वाला है कि बेहतरीन कहानी सिर्फ कैमरे के सामने ही नहीं, बल्कि उसके पीछे भी बनती है। मस्ती भरे पलों से लेकर दिल को छू लेने वाली बातों तक, सान्या मल्होत्रा अपने प्रशंसकों को एक बेहतरीन तोहफ़ा दे रही हैं – सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की खुशनुमा दुनिया की एक झलक, जहां हर मुस्कान, हर हँसी और हर बीटीएस मोमेंट यादगार बन जाता है। हाल ही में फिल्म 'कटहल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने और 'मिसेज़' में सराहे गए परफॉर्मेंस के बाद, सान्या का करियर एक दुर्लभ संतुलन दिखाता है — जहां कला और व्यवसाय दोनों साथ चलते हैं। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के साथ, फैंस को विश्वास है कि वह न केवल खुद को साबित कर रही हैं, बल्कि दर्शकों का ध्यान भी पूरी तरह खींच रही हैं — हर फ्रेम में उनका स्टारडम, आकर्षण और सिग्नेचर एनर्जी साफ नज़र आती है।

बड़े पर्दे पर गोलू के किरदार को देखना सपने जैसा लग रहा है

श्वेता त्रिपाठी ने वेब सीरीज मिर्जापुर पर बनी फिल्म मिर्जापुर - द फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। वे इसमें अपनी पॉपुलर भूमिका गजगामिनी गोलू गुप्ता के रूप में लौट रही हैं। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी।

शूटिंग कहां हुई शुरू

श्वेता ने मिर्जापुर – द फिल्म की शूटिंग वाराणसी में शुरू कर दी है। पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु शर्मा भी अपनी भूमिकाओं में वापस आ रहे हैं। श्वेता ने मिर्जापुर – द फिल्म को लेकर कहा, गोलू मेरे लिए सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि साल से मेरी जिंदगी का साथी है। बड़े पर्दे पर उसका सफर देखना कमाल का और सपने जैसा लग रहा है।

वाराणसी से श्वेता का खास कनेक्शन

श्वेता वाराणसी को अपना दूसरा घर मानती हैं। उन्होंने बताया कि उनके करियर के कई प्रोजेक्ट इस शहर से जुड़े हैं, जैसे नीरज घायवान की फिल्म मसान, शो एस्केप लाइव और कालकूट। श्वेता ने कहा, यह शहर मुझे हमेशा बुलाता है। यहां के लोग, खाना और जो प्यार मिला है, उसके लिए मैं बार–बार आती हूं। उनके ट्रेनर त्रिदेव पांडे भी बनारस के हैं।

मिर्जापुर–द फिल्म के बारे में

मिर्जापुर – द फिल्म, मिर्जापुर सीरीज का सिनेमा वर्जन है, जिसमें कालीन भैया, गुड्डू पंडित और मुन्ना त्रिपाठी जैसे लोकप्रिय किरदारों पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा। मिर्जापुर द फिल्म को लेकर प्रशंसकों में काफी उत्साह है। सीरीज में कंपाउंडर का रोल करने वाले अभिषेक बनर्जी भी फिल्म में लौट रहे हैं। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह कर रहे हैं और इसे एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहा है।

सारा खान ने की दूसरी शादी

एक्टर-प्रोड्यूसर कृष पाठक संग लिए सात फेरे

'बिदाई' और 'बिग बॉस' फेम एक्ट्रेस सारा खान फिर से शादी के बंधन में बंध गई हैं। एक्ट्रेस ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड एक्टर–प्रोड्यूसर कृष पाठक संग रजिस्टर्ड मैरिज की है। दोनों ने 6 अक्टूबर को करीबियों के बीच अपनी शादी को रजिस्टर किया है। कपल अब दिसंबर में ग्रैंड वेडिंग सेलिब्रेशन करेगा। सारा ने इंस्टाग्राम पर शादी की खुशखबरी शेयर करते हुए कृष संग कई तस्वीरें शेयर की हैं। साथ ही एक भावुक नोट पोस्ट किया है। सारा ने लिखा– 'दो आस्थाएं। एक स्क्रिप्ट। असीम प्रेम। सिग्नेचर हो गए हैं। कुबूल है से सात फेरे तक इस दिसंबर का इंतजार है। दो दिल, दो संस्कृतियां हमेशा के लिए एक हो गईं। हमारी प्रेम कहानी एक ऐसे मिलन का गढ़ कर रही है, जहां आस्थाएं मिलती हैं, विभाजित नहीं होतीं। जब प्यार ही हेडलाइन बन जाए तो बाकी सब कुछ एक खूबसूरत कहानी बन जाता है। इसलिए हमें अपना आशीर्वाद दीजिए क्योंकि यह यूनियन सभी के लिए है।

सारा और कृष की शादी पर फैंस और सेलेब्स खूब बधाई दे रहे हैं। हाल ही में शादी के बंधन में बालिका वधू फेम एक्ट्रेस अविका गौर ने सारा को बधाई दी है। एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने लिखा– 'ओह माय गॉड। माई बेबी...बधाई।' इसकेअलावा कपल को एक्ट्रेस आशका गोराडिया, किश्वर मर्चेंट, गायक अभिजीत सावंत ने भी बधाई दी है। बता दें कि सारा ने इससे पहले अली मर्चेंट से बिग बॉस–4 के घर में शादी की थी। लेकिन शादी के दो महीने के अंदर ही दोनों ने तलाक ले लिया था। अली ने रियलिटी शो सच का सामना के एक एपिसोड में कहा कि उन्होंने पब्लिसिटी के लिए सारा से शादी की थी और उनसे शादी करना उनके जीवन की सबसे बड़ी गलती थी। साल 2023 में अली ने अपनी गर्लफ्रेंड अंदलीब जैदी से शादी कर ली थी।

'हैवान' में नेगेटिव रोल में नजर आएंगे अक्षय कुमार

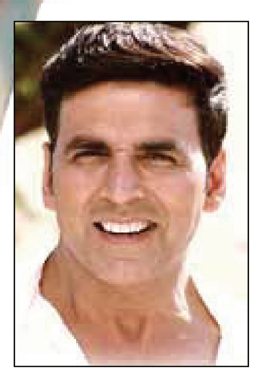

अक्षय कुमार फिक्की फ्रेम्स 2025 कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में उन्होंने साइबर क्राइम जैसी बातों को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लंबी चर्चा की। इसी दौरान अपनी फिल्म 'हैवान' को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री से सलाह मांगी। साथ ही अपने किरदार का जिक्र भी कर दिया। अक्षय कुमार भी बातचीत को आगे बढ़ाते हुए कहते हैं, 'मुझे एक नेगेटिव रोल निभाने का मन था, इसलिए मैं 'हैवान' कर रहा हूं। ज्यादातर मैं फिल्म में हीरो के रोल ही निभाता हूं।' अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'हैवान' एक थ्रिलर मूवी है। इस फिल्म में 17 साल बाद सैफ अली खान और अक्षय कुमार साथ काम कर रहे हैं।

60 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले के बाद शिल्पा शेट्टी ने सोशल मीडिया पर की बात

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा से 60 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले में पूछताछ जारी है। मंगलवार को एक्ट्रेस से आर्थिक अपराध शाखा ने चार घंटे तक पूछताछ की है। ये पूछताछ एक्ट्रेस के घर पर की गई, लेकिन अब लगता है कि इस मुश्किल समय में उन्होंने खुद पर संयम पाने का तरीका ढूंढ लिया है। उन्होंने फेमस मार्शल आर्टिस्ट ब्रूस ली का कोट शेयर किया है। शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की है जिसमें वे इमोशनल वीकनेस की बात कर रही हैं। कोट में लिखा है, अगर आप हर बात पर भावनात्मक प्रतिक्रिया देते हैं, तो आप लगातार कष्ट झेलते रहेंगे। सच्ची शक्ति चुपचाप बैठकर तर्क के साथ चीज़ों को देखना है, यही सच्ची शक्ति संयम है। अगर शब्द आपको नियंत्रित करते हैं, तो इसका मतलब है कि बाकी सभी आपको नियंत्रित कर सकते हैंज सांस लें और चीज़ों को गुज़रने दें। कोट से साफ है कि एक्ट्रेस 60 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले से काफी परेशान हैं, लेकिन धैर्य से मामले को संभालने की कोशिश कर रही हैं।

बता दें कि इस मामले में शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के अलावा और तीन लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। इससे पहले राज कुंद्रा का भी बयान दर्ज किया गया। शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ व्यवसायी दीपक कोठारी ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। कोठारी का दावा था कि एक्ट्रेस ने कंपनी का विस्तार करने के लिए 75 करोड़ का लोन लिया था लेकिन ब्याज की दरों को देखते हुए इसे निजी निवेश के तौर पर दिखाने के लिए कहा। उन्होंने कोठारी को विश्वास दिलाया कि वे हर महीने ब्याज की रकम भरेंगी, लेकिन शिल्पा ने वो पैसे बिजनेस में न लगाकर निजी तौर पर खर्च किए और फिर बाद में कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया।

व्यवसायी दीपक कोठारी ने कई बार एक्ट्रेस से पैसे वापस देने की मांग की लेकिन कोई जवाब नहीं आया है और उन्होंने दंपत्ति के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराया। वर्क फ्रंट की बात करें तो शिल्पा डांस रियलिटी शो सुपर डांसर चैप्टर 5 में दिख रही हैं। शो के लेटेस्ट प्रोमो में उन्हें एक्टर मिथुन चक्रवर्ती के साथ डांस करते हुए देखा गया।

इन अभिनेत्रियों ने जिम या रेड कार्पेट पर नहीं, बल्कि योगा मैट पर बनाई अपनी जगह

बॉलीवुड की चकाचौंध भरी दुनिया में, जहाँ हर जगह परफेक्शन की मांग होती है और हर किरदार दृढ़ता की परीक्षा लेता है, कुछ अभिनेत्रियाँ ऐसी हैं जिन्होंने अपनी जगह जिम या रेड कार्पेट पर नहीं, बल्कि योगा मैट पर बनाई है। इन सितारों के लिए योग सिर्फ फिटनेस नहीं, बल्कि एक दर्शन है, जो उन्हें शरीर और आत्मा, दोनों रूपों में मजबूत और संतुलित रखता है।

आलिया भट्ट

व्यस्त शूटिंग शेड्यूल और थका देने वाली दिनचर्या के बीच, आलिया भट्ट के लिए योग एक एंकर की तरह है। उन्हें एरियल योगा बेहद पसंद है, और वे अक्सर अपनी योग साधना की झलक सोशल मीडिया पर साझा करती हैं। आलिया की फिटनेस यात्रा उनकी जीवन दृष्टि को दर्शाती है, जिसमें लचीलापन, अनुशासन और संतुलन का समावेश है।

करीना कपूर

करीना कपूर खान की फिटनेस यात्रा उनकी फिल्मों जितनी ही प्रसिद्ध है। कभी साइज़ ज़ीरो ट्रेंड की पहचान रही करीना, अब माइंडफुल फिटनेस की मिसाल बन चुकी हैं। उनके लिए योग बाहरी रूप से सुंदर दिखने का नहीं, बल्कि मन, शरीर और सांस के संतुलन का माध्यम है।

मलाइका अरोड़ा

मलाइका अरोड़ा न केवल एक प्रसिद्ध अभिनेत्री हैं, बल्कि प्रमाणित योग प्रशिक्षक भी हैं। उन्होंने अपना खुद का वेलनेस स्टूडियो स्थापित किया है और योग को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के समग्र मार्ग के रूप में प्रचारित करती हैं। उनके लिए योग केवल शरीर को नहीं, बल्कि मन को भी स्वस्थ रखने का साधन है। चाहे शिल्पा की शांति हो या आलिया की अनुशासन भरी लचक, निकिता की आत्मिक गहराई हो या मलाइका का समर्पण, इन बॉलीवुड देवियों ने साबित कर दिया है कि असली सुंदरता और ताकत भीतर की संतुलन से आती है।

शिल्पा शेट्टी

पिछले दो दशकों से शिल्पा शेट्टी सौम्यता, वेलनेस और आंतरिक शांति की प्रतीक रही हैं। अपनी किताबों, डीवीडीज़ और डिजिटल फिटनेस प्लेटफॉर्म्स के ज़रिए उन्होंने योग को एक जीवनशैली का रूप दे दिया है। उनकी सुबहें सूर्य नमस्कार से शुरू होती हैं और दिन का अंत कृतज्ञता के साथ। यही दिनचर्या उन्हें शोबिज़ की भागदौड़ में भी शांत, संतुलित और दमकता हुआ बनाए रखती है।

निकिता दत्ता

नई पीढ़ी की अभिनेत्रियों में निकिता दत्ता अपनी शांत लेकिन दृढ़ योग साधना के लिए अलग पहचान रखती हैं। उनके सोशल मीडिया पर अक्सर शांत आसनों और मानसिक संतुलन पर उनके विचार दिखाई देते हैं। निकिता के लिए योग कोई प्रदर्शन नहीं, बल्कि आत्म–संवाद का एक पवित्र स्थान है, जहाँ वे बाहरी शोर से दूर होकर अपने भीतर की शांति से जुड़ती हैं। उनकी नियमितता और सहज ऊर्जा यह दर्शाती है कि कैसे योग का प्रभाव चमक–दमक से परे, जीवन को भीतर से निखारता है।

विराट-रोहित आज ऑस्ट्रेलिया में आखिरी वनडे खेलेंगे

टीम पर ऑस्ट्रेलिया से पहली बार क्लीन स्वीप का खतरा

पर्थ में 8 बॉल पर जीरो रन...एडिलेड में 4 बॉल पर जीरो रन...ओवरऑल 12 बॉल पर जीरो रन। ये प्रदर्शन टीम इंडिया के स्टार बैटर विराट कोहली का है। वे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अब तक अपना खाता नहीं खोल सके हैं। शनिवार को सिडनी में तीसरा और आखिरी वनडे खेला जाना है। मुमकिन है कि यह विराट कोहली और लंबे समय से उनके टीम मेट रहे रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया की धरती पर आखिरी इंटरनेशनल मैच हो।

इस मैच में दोनों सितारों से इम्पैक्टफुल परफॉर्मेंस आना जरूरी है। भारतीय टीम पहले ही सीरीज गंवा चुकी है और अब टीम पर पहली बार क्लीन स्वीप होने का खतरा मंडरा रहा है। कंगारू वनडे क्रिकेट में भारत को अब तक क्लीन स्वीप नहीं कर सके हैं। एक दिन पहले 23 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा मुकाबला 2 विकेट से जीता था। टीम को पहले मैच में 7 विकेट की जीत मिली थी।

यह ऑस्ट्रेलिया में रोहित-कोहली का आखिरी इंटरनेशनल मैच क्यों

कोहली 36 और रोहित 38 साल के हो चुके हैं। दोनों टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं। फ्यूचर टूर प्रोग्राम के अनुसार अगले 2 साल में भारत को ऑस्ट्रेलिया का दौरा नहीं करना है। इसका मतलब हुआ कि अगर रोहित-कोहली 2027 में साउथ अफ्रीका में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप तक खेलते भी हैं तो भी ऑस्ट्रेलिया में अब वे कोई मैच नहीं खेलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया भारत के खिलाफ क्लीन स्वीप नहीं कर पाया

इस मुकाबले में भारत पर क्लीन स्वीप का खतरा मंडरा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत को वनडे सीरीज में अब तक क्लीन स्वीप नहीं कर सकी है। दोनों टीमों 1984 से वनडे सीरीज खेल रही है। जब पहली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम भारतीय दौरे पर आई थी, तब 5 मैचों के 3 मुकाबले जीते थे, लेकिन 2 मैच बेनतीजा रहे।

सिडनी में 9 साल से नहीं जीता भारत

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में भारतीय टीम का रिकॉर्ड खराब है। टीम ने यहां पिछले 9 साल से कोई वनडे मैच नहीं जीता है। भारतीय टीम को पिछली जीत 23 जनवरी 2016 को मिली थी। उसके बाद से टीम इंडिया ने यहां लगातार 3 मुकाबले गंवाए हैं।

ऑस्ट्रेलियन पिचों पर दोनों टीमों के बीच 56 मैच खेले गए हैं, इनमें से 40 मुकाबले मेजबान टीम ने जीते हैं। 14 मैच भारत के पक्ष में रहे हैं। 2 मैच नो रिजल्ट रहे। ओवरऑल हेड-टु-हेड में भारत-ऑस्ट्रेलिया ने 154 मैच हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 86 और भारत ने 58 मैच जीते हैं। 10 मुकाबले बेनतीजा रहे हैं।

रोहित शर्मा ने पिछले मैच में फिफ्टी लगाई, सुंदर टॉप विकेट टेकर्स मौजूदा सीरीज में रोहित शर्मा भारतीय टीम के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 2 मैचों में एक फिफ्टी के सहारे 81 रन बनाए हैं। रोहित ने एडिलेड में 73 रन की पारी खेली थी। गेंदबाजी में 3 विकेट लेने वाले वॉशिंगटन सुंदर भारत के टॉप विकेट टेकर हैं।

मैथ्यू शॉर्ट टॉप स्कोरर, जम्पा को 4 विकेट पिछले मैच में 74 रन की पारी खेलने वाले मैथ्यू शॉर्ट इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 2 मैचों में एक फिफ्टी के सहारे 82 रन बनाए हैं। गेंदबाज में एडम जम्पा 4 विकेट के साथ ऑस्ट्रेलिया के टॉप विकेट टेकर हैं। उन्होंने एडिलेड में 4 विकेट झटके थे।

पिच रिपोर्ट : ज्यादा टर्न नहीं, बैटर्स को मदद मिलेगी सिडनी की पिच में ज्यादा टर्न देखने को नहीं मिलता है। इसका फायदा बल्लेबाज को मिल सकता है। यहां पहली पारी का औसत स्कोर 224 है। ऐसे में हाई स्कोरिंग मैच देखने को मिल सकता है। पिछले रिकॉर्ड के अनुसार टॉस जीतने वाली टीम पहले बैटिंग चुनेगी। क्योंकि, 168 में से 96 मैच पहले बैटिंग करने वाली टीम ने जीते हैं। 64 मैच चेज कर रही टीम के नाम रहे हैं। सिडनी में शनिवार को बारिश की संभावना नहीं है।

पॉसिबल प्लेइंग-11

भारतः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर/कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा/प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज।

ऑस्ट्रेलियाः मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, मैथ्यू शॉर्ट, मैट रेनशॉ, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल ओवेन, कूपर कॉनोली, जेवियर बार्टलेट, मिचेल स्टार्क/जैक एडवर्ड्स, एडम जम्पा, नाथन एलिस/जोश हेजलवुड।

युवराज के 6 छक्कों पर फ्लिंटॉफ का कबूलनामा, कहा

2007 में मैंने लाइन क्रॉस की थी, युवी ने गुस्सा स्टुअर्ट ब्रॉड पर निकाला

IND Vs ENG
टी-20 वर्ल्ड कप 2007

स्टुअर्ट ब्रॉड Vs युवराज सिंह

18.1 ओवर	18.2 ओवर	18.3 ओवर	18.4 ओवर	18.5 ओवर	18.6 ओवर
6 रन	6 रन	6 रन	6 रन	6 रन	6 रन

इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने आखिरकार 18 साल बाद मान लिया कि 2007 टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान उन्होंने युवराज सिंह के साथ हुई बहस में हद पार कर दी थी। फ्लिंटॉफ ने खुलासा किया कि उस दिन उनका गुस्सा ही युवराज के अंदर की आग बन गया, जिसने क्रिकेट इतिहास का सबसे यादगार पल दे दिया- एक ओवर में छह छक्के।

युवराज और फ्लिंटॉफ में तीखी बहस हुई थी

साउथ अफ्रीका में खेले गए 2007 टी20 वर्ल्ड कप के उस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18 ओवर तक 171 रन बनाए थे। 19वें ओवर से पहले युवराज और फ्लिंटॉफ के बीच तीखी बहस हुई। दोनों ने एकदूसरे से कुछ कड़े शब्द बोले। इसके बाद गुस्से में आए युवराज ने इंग्लिश गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के जड़ दिए। भारत ने 20 ओवर में 218/4 रन बनाए और 18 रन से मैच जीत लिया। बाद में यही टीम वर्ल्ड कप की पहली चैंपियन भी बनी।

फ्लिंटॉफ बोले- मैंने पहली बार लाइन क्रॉस की 'Beard Before Wicket' पॉडकास्ट पर बात करते हुए फ्लिंटॉफ ने उस रात की कहानी साझा की। उन्होंने कहा- युवराज और मैं हमेशा मजाक-मजाक में भिड़ते रहते थे। उस दिन मेरा टखना खराब था, मुझे लगा वो मेरा आखिरी मैच है। मैं बहुत गुस्से में था और मैंने युवराज से बहस में लाइन क्रॉस कर दी। करियर में शायद पहली बार मैंने ऐसा किया। फिर युवराज ने ब्रॉड को 6 छक्के मारे। वो छक्के मुझे पड़ने चाहिए थे, ब्रॉड को नहीं।

फ्लिंटॉफ ने कहा कि युवराज एक शानदार इंसान हैं और उनका क्रिकेटिंग टैलेंट अद्भुत था। उन्होंने यह भी माना कि उस मैच ने युवराज के करियर की दिशा ही बदल दी। आगे चलकर यही खिलाड़ी 2011 वर्ल्ड कप जिताने में भारत का सबसे बड़ा हीरो बना।

हर छक्के के बाद मुझे घूर रहा था युवी फ्लिंटॉफ ने कहा, जब युवी ने ब्रॉड पर पहला छक्का मारा तब मैं बाउंड्री पर फील्डिंग कर रहा था। छक्का मारने के बाद उसने मुझे घूरा। फिर उसने दूसरा छक्का जमाया और मुझे फिर घूरा। तब मैंने कहा- हो गया आज। जब पांचवां छक्का लगा मैंने सोचा कि छठा भी लग ही जाए और ऐसा ही हुआ।

ऑस्ट्रेलिया के सामने क्यों पिट गई टीम इंडिया : कोहली दोनों मैच में फ्लॉप

गिल कप्तानी के टेस्ट में फेल, हार के 5 कारण

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे सीरीज हार चुकी है। तीन मैचों के शुरुआती दो मुकाबलों में ऑस्ट्रेलिया ने एकतरफा जीत हासिल की। दोनों ही वनडे में टीम इंडिया बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में बुरी तरह पिट गई। भारत के खराब प्रदर्शन के पीछे पांच बड़े कारण रहे। इन सभी को एक-एक कर जानते हैं।

1. दोनों मुकाबलों में टॉस हारना

पर्थ और एडिलेड दोनों ही जगह कंडीशन ऐसी थी कि पहले फील्डिंग करने वाली टीम को फायदा मिलता, लेकिन भारतीय कप्तान शुभमन गिल दोनों ही टॉस हार गए। भारत को दोनों बार पहले बल्लेबाजी करनी पड़ गई और टीम इंडिया किसी भी मैच में पर्याप्त स्कोर नहीं बना सकी। पर्थ में बारिश के कारण चार बार भारतीय पारी रोकी गई। इससे टीम को कभी मोमेंटम नहीं मिल पाया। शुरुआत में गेंद काफी सीम और स्विंग भी हो रही थी। इससे भी परेशानी बढ़ी। एडिलेड में भी मैच से एक दिन पहले तक बारिश हुई थी। पिच लंबे समय तक कवर के नीचे रही थी और उसमें काफी नमी थी। इसका फायदा ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों ने उठाया।

2. टॉप-3 बल्लेबाजों का बेहद कमजोर खेल

वनडे क्रिकेट को टॉप-3 बल्लेबाजों का खेल कहा जाता है। ऊपर के तीन में से एक बल्लेबाज भी शतक जमा दे तो टीम का बड़ा स्कोर लगभग तय रहता है, लेकिन भारत के टॉप-3 दोनों मैच में कुछ कमाल नहीं कर सके।

कप्तान शुभमन गिन ने पर्थ में 10 और एडिलेड में 9 रन बनाए। विराट कोहली दोनों बार जीरो पर आउट हुए। रोहित शर्मा ने एडिलेड में अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन पर्थ में वे भी फेल रहे थे। यानी दो मैचों में भारत के टॉप-3 बल्लेबाजों की कुल 6 पारियों में सिर्फ एक हाफ सेंचुरी आई। 2 मैच मिलाकर तीनों प्लेयर्स 100 रन ही बना सके।

3. कुलदीप यादव को मौका न देना

भारतीय थिंक टैंक ने बल्लेबाजी पर ज्यादा फोकस किया और इस वजह से गेंदबाजी कमजोर साबित हुई। ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर फिंगर स्पिनर की जगह रिस्ट स्पिनर ज्यादा कामयाब होता है। फिर भी कुलदीप यादव दोनों ही मुकाबलों में बेंच पर बैठे रह गए। अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर ने अच्छी बॉलिंग की, लेकिन वे ज्यादा प्रभावी साबित नहीं हो सके।

4. गिल की असरहीन कप्तानी

शुभमन गिल बतौर बल्लेबाज फेल हुए ही वे बतौर कप्तान भी असरहीन साबित हुए। दोनों मैचों में भारतीय टीम उस उत्साह और जोश के साथ नहीं खेल पाई जो विराट कोहली या रोहित शर्मा की कप्तानी में नजर आती थी। गिल की फील्ड प्लेसमेंट और बॉलिंग चेंजेस भी असरदार नहीं रहे।

5. फास्ट बॉलर्स का फीका प्रदर्शन

भारत के फास्ट बॉलर्स मददगार कंडीशन में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा मिलकर 2 मैचों में 5 ही विकेट ले सके। मोहम्मद सिराज को 2 मैचों में एक भी विकेट नहीं मिला। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया के लिए फास्ट बॉलर्स ने 11 विकेट निकाले।

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में भारत का हाईएस्ट टोटल

मंधाना के एक साल में सबसे ज्यादा सिक्स; प्रतिका ने फास्टेस्ट हजार रन बनाए

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में भारत ने न्यूजीलैंड को 53 रन से हरा दिया। इसी के साथ भारतीय टीम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भी पहुंच गई। बारिश की वजह से भारत ने 49 ओवर ही बैटिंग की। टीम ने 340 रन बनाए। डीएलएस मैथड से न्यूजीलैंड को 325 रन का टारगेट मिला। जवाब में टीम 8 विकेट पर 271 रन ही बना सकी। विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में भारत ने अपना हाईएस्ट टोटल बनाया। स्मृति मंधाना एक साल में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाली महिला बनीं। प्रतिका रावल ने सबसे तेज हजार रन बनाए।

टॉप रिकॉर्ड्स...

1. **विमेंस** वनडे वर्ल्ड कप में भारत का हाईएस्ट टोटल भारतीय विमेंस टीम ने वनडे वर्ल्ड कप में अपना हाईएस्ट टोटल बनाया। टीम ने 49 ओवर की बल्लेबाजी की और 3 विकेट खोकर 340 रन बनाए। इससे पहले इसी वर्ल्ड कप में ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 330 का स्कोर बनाया था। हालांकि भारत यह मैच हार गई थी।
2. **मंधाना** दूसरी सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली बैटर विमेंस वनडे क्रिकेट में स्मृति मंधाना दूसरी सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली बैटर बन गईं। उनके नाम अब 14 शतक हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग 15 शतक के साथ पहले नंबर पर हैं। अगर तीनों फॉर्मेट की बात की जाए तो स्मृति ने मेग लैनिंग की बराबरी कर ली है। अब दोनों के नाम 17-17 सेंचुरी हैं। मंधाना ने एक साल में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में साउथ अफ्रीका की तजमीन ब्रिट्स की भी बराबरी की। दोनों ने इस साल अब तक 5-5 शतक लगाए हैं। 2024 में मंधाना ने 4 शतक लगाए थे।
3. **मंधाना** एक साल में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाली विमेंस स्मृति मंधाना विमेंस वनडे के एक साल में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाली बैटर बन गईं। उन्होंने इस साल अब तक 31 सिक्स लगा दिए हैं। दूसरे नंबर पर साउथ अफ्रीका की लिजेल ली हैं। 2017 में लिजेल ने 28 सिक्स लगाए थे।
4. **प्रतिका** ने सबसे तेज हजार रन का रिकॉर्ड बनाया प्रतिका रावल ने वनडे में अपने एक हजार रन पूरे कर लिए। इसके लिए उन्होंने 23 पारियां लीं। विमेंस वनडे में सबसे तेज हजार रन बनाने के मामले में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की लिंडसे रीलर की बराबरी की।
5. **मंधाना-प्रतिका** ने वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे बड़ी साझेदारी की स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने मिलकर 212 रन की ओपनिंग साझेदारी की। यह विमेंस वर्ल्ड कप के इतिहास में भारत की सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले 2022 हैमिल्टन में स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 184 रन की साझेदारी की थी।
6. **स्मृति मंधाना** और प्रतिका रावल ने इस साल 1557 रन जोड़े इंडियन विमेंस ओपनर स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल की जोड़ी 2025 में अब तक 1557 रन जोड़ चुकी हैं। यह जोड़ी मेंस और विमेंस दोनों को मिलाकर किसी एक साल में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। इस लिस्ट में उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली हैं। दोनों ने 1998 में 1635 रन बनाए थे।
7. **भारतीय** टीम ने इस साल सबसे ज्यादा शतक लगाए विमेंस वनडे के किसी एक साल में किसी टीम द्वारा सबसे ज्यादा इंडिविजुअल शतकों का रिकॉर्ड भारतीय टीम के नाम हो गया है। इस साल अब तक इंडियन विमेंस ने 10 इंडिविजुअल शतक बनाए हैं। न्यूजीलैंड ने 2018 में 8 शतक लगाए थे।

टॉप मोमेंट्स...

1. रिव्यू पर मंधाना को जीवनदान 27वें ओवर की चौथी बॉल पर स्मृति मंधाना को जीवनदान मिला। अमेलिया केर की बॉल को लेग साइड में खेलने की कोशिश में स्मृति चूक गईं। बॉल उनके पैड पर लगी और अंपायर ने आउट दे दिया। स्मृति ने यहां रिव्यू लिया और रिप्ले में पता चला कि बॉल उनके बैट पर लगी थी। मंधाना इस समय 79 रन पर खेल रहीं थीं। इसके बाद उन्होंने 109 रन बनाए।
2. जेमिमा की चौके से फिफ्टी 45वें ओवर में भारत की जेमिमा रोड्रिग्ज ने फिफ्टी लगा दी। अमीलिया केर के ओवर की पांचवीं गेंद पर उन्होंने चौका लगाया और 38 गेंद पर अपनी हाफ सेंचुरी पूरी कर ली। यह इस वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे कम गेंदों पर फिफ्टी का रिकॉर्ड रहा।
3. बारिश की वजह से खेल रुका पहले बैटिंग करते हुए इंडिया विमेंस के 48 ओवर खत्म हो जाने के बाद बारिश होने लगी, जिस कारण खेल रोका गया। इस समय इंडिया विमेंस ने 2 विकेट खोकर 329 रन बना लिए थे।
4. ऋचा के चोटिल होने के बाद उमा छेत्री ने विकेटकीपिंग की 7वें ओवर की चौथी बॉल में रेणुका सिंह ने वाइड बॉल डाली। विकेटकीपर ऋचा घोष ने डाइव लगाई और गेंद को बाउंड्री जाने से बचा लिया। यहां ऋचा को गेंद रोकने की कोशिश में उंगलियों में चोट लग गई। इसके बाद फिजियो उनका चेकअप करने के लिए मैदान पर आई।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक अमरदीप शर्मा के लिए जैमन प्रिंटर्स प्रा. लि. रोड नं. 14 पी विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया जयपुर, 302013 से मुद्रित एवं एफ- 43 गोविंदम टावर ,करधनी कालवाड़ रोड जयपुर से प्रकाशित। प्रधान कार्यालयः- एफ- 43 गोविंदम टावर करधनी कालवाड़ रोड जयपुर 302012 (राज.) संपादक अमरदीप शर्मा । राजस्थान मीनू सेन प्रबंध संपादक सीकर मोः नंबर